CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-313
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

संघर्ष ही सफलता का
असली मार्गदर्शक होता है.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 17 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आईपीएल का18वां सीजन... 22 मार्च को कोलकाता और आरसीबी के बीच पहला मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया। पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच ईडन गार्डंस में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के 18वें सत्र का आगाज 22 मार्च से होगा। वहीं, फाइनल मैच 25 मई को ईडन गार्डंस में ही खेला जाएगा। 23 मार्च को आईपीएल का एल क्लासिको यानी मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाएंगे। इनमें नॉकआउट राउंड भी शामिल है। इस दौरान 22 मार्च से 18 मई तक 70 लीग राउंड मैच खेले जाएंगे। वहीं, फाइनल समेत प्लेऑफ के सभी मुकाबले 20 से 25 मई तक खेले जाएंगे।

कुल 12 डबल हेडर्स खेले जाएंगे 22 मार्च को बेंगलुरु और कोलकाता के बीच मुकाबले के बाद 23 मार्च यानी रविवार को डबर हेडर मुकाबला खेला जाएगा। रविवार को पहले डबल हेडर के पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के सामने राजस्थान रॉयल्स की चुनौती होगी, जबकि दूसरे मैच में मुंबई की टीम का सामना चेन्नई से होगा। आईपीएल 2025 में कुल 12 डबल हेडर्स हैं। डबल हेडर वाले दिन पहला मैच दोपहर साढ़े तीन बजे से और दूसरा मैच शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा।

तीन टीमों के दो-दो होम ग्राउंड्स आईपीएल की दस में से तीन टीमें दो-दो होम ग्राउंड्स पर मैच खेलेंगी। दिल्ली अपने घरेलू मैच विशाखापत्तनम और नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेलेंगे। राजस्थान अपने दो घरेलू मैच गुवाहाटी में खेलेंगे, जहां वह केकेआर और सीएसके की मेजबानी करेंगे। इसके अलावा शेष घरेलू मैच जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेंगे। वहीं, पंजाब अपने चार घरेलू मैच चंडीगढ़ के न्यू पीसीए स्टेडियम में खेलेगा, जबकि धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में लखनऊ, दिल्ली और मुंबई के खिलाफ तीन घरेलू मैचों की मेजबानी करेगा।

हैदराबाद और कोलकाता में प्लेऑफ के मुकाबले लीग चरण के खत्म होने के बाद, प्लेऑफ के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे। हैदराबाद 20 मई, 2025 और 21 मई को क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा। इसके बाद कोलकाता 23 मई, 2025 को क्वालिफायर 2 की और 25 मई को फाइनल की मेजबानी करेगा।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के लिए टारगेट से 12 हजार ज्यादा हुए रजिस्ट्रेशन

32 हजार उद्योगपतियों ने कराया पंजीयन, रजिस्ट्रेशन हुआ बंद

भोपाल। राजधानी भोपाल में 24-25 फरवरी को होने जा रहे ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में करीब 32 हजार उद्योगपतियों ने पंजीयन कराए हैं। जो की टारगेट से 12 हजार ज्यादा है। यही कारण है कि रजिस्ट्रेशन को निर्धारित समय से पहले बंद करना पड़ गया है। सरकार ने इसके लिए 20 हजार का टारगेट रखा था। जानकारी के मुताबिक भोपाल के मानव संग्रहालय में होने जा रही ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के उद्घाटन सत्र में सिर्फ 5 हजार उद्योगपतियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। उद्घाटन सत्र डेढ घंटे चलेगा। हालांकि तय किया है कि उद्घाटन सत्र के दौरान मंच पर कोई भी नहीं बैठेगा। प्रधानमंत्री मोदी अंबानी, अडानी जैसे उद्योगपतियों के साथ मंच के सामने बैठेंगे। कार्यक्रम में वक्त मंच पर जाएंगे और वक्तव्य के बाद वापस नीचे आएंगे। राजधानी भोपाल में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में शामिल होने के लिए विश्वभर के उद्योगपतियों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया है। समिट में उम्मीद जताई जा रही थी कि 20 हजार निवेशकों को ही बुलाया जाएगा, लेकिन जीआईएस की साइट पर इससे 12 हजार ज्यादा निवेशकों ने अपने रजिस्ट्रेशन करा लिए। 32 हजार रजिस्ट्रेशन होने के बाद 2 दिन पहले ही जीआईएस की साइट पर रजिस्ट्रेशन को बंद कर दिया गया।

सीटिंग प्लान में बदलाव, ऐसे मिलेगी एंट्री

24 फरवरी को उद्घाटन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 10 बजे समिट का उद्घाटन करेंगे। पहले दिन 15 हजार उद्योगपतियों को एंट्री होगी। 3 हजार लोग मुख्य डोम में, 2 हजार हॉल में और बाकी 10 हजार को बाद में आने की अनुमति दी जाएगी। अगले दिन शेष 15 हजार को एंट्री दी जाएगी। कंपनी के टर्नओवर और इन्वेस्टमेंट प्लान के आधार पर 25 फरवरी को बाकी उद्योगपतियों को बुलाया जाएगा।

मंत्री विश्वास सारंग ने की समीक्षा

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एवं बेस्ट के संरक्षक विश्वास कैलाश सारंग ने भोपाल में होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के संबंध में 'भोपाल एक साथ टीम-बेस्ट' की बैठक कर अभी तक किये कार्यों की समीक्षा की। मंत्री सारंग ने कहा कि यह शहरवासियों के लिये हर्ष का विषय है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में आयोजित होने जा रही है। समिट के दौरान भोपालवासी ही अपने शहर के ब्रांड एम्बेसडर बनें। उन्होंने नागरिकों से आहवान किया है कि समिट में देश-विदेश से आने वाले सभी अतिथियों का स्वागत अतिथि देवो भव- की भावना के साथ हो। जिसमें एयरपोर्ट से लेकर मुख्य आयोजन स्थल व अतिथियों के ठहरने के स्थानों तक गुजरने वाले सभी मार्गों पर बसे घरों में रहवासी स्वयं ही रंगोली बनाएं एवं लाइटिंग से सजावट करें।

अब रजिस्ट्रेशन के लिए बिजनेस प्रोफाइल देखी जाएगी

अब रजिस्ट्रेशन कराए जाने वाले निवेशकों की बिजनेस प्रोफाइल को देखते हुए उनके नाम फाइनल किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि कई ऐसे लोगों ने भी रजिस्ट्रेशन करा लिए, जिनकी रूचि सिर्फ समिट को देखने की है। समिट के पहले दिन उद्घाटन सत्र करीबन 4500 उद्योगपतियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस डोम में सत्र का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। इस डोम में करीब 3 हजार उद्योगपति और बाकी दूसरे डोम्स में रहेंगे। कार्यक्रम के लिए निर्धारित स्थान तक पहुंचने में परेशानी न हो इसके लिए निवेशकों को अलग-अलग रंग के पास जारी किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और कुछ बड़े उद्योगपतियों के साथ वन विहार रोड से मानव संग्रहालय पहुंचेंगे। उधर 23 फरवरी को भोपाल पहुंचने वाले देश के बड़े उद्योगपतियों को ताज लेक फ्रंट में डिनर दिया जाएगा। इसमें देश के प्रमुख 150 उद्योगपति शामिल होंगे। यह डिनर औद्योगिक संगठन सीआईआई द्वारा दिया जाएगा।

यूएन की रिपोर्ट...भारत में बड़े पैमाने पर हमले करने में असमर्थ रहा आईएस

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी एक हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है कि आतंकी समूह आईएसआईएल भारत में बड़े हमले को अंजाम देने में असमर्थ रहा, लेकिन उसके हैंडलर एकल हमलावर के जरिये छोटे-मोटे हमलों को अंजाम देने का प्रयास करते रहे। इन हमलों में उन्हें भारत में मौजूद समर्थकों से मदद मिली। आईएसआईएल (दाएश), अल-कायदा, संबंधित व्यक्तियों तथा संस्थाओं के संबंध में विश्लेषणात्मक सहायता एवं प्रतिबंध निगरानी टीम की 35वीं रिपोर्ट के अनुसार, आतंकी समूह व उनके सहयोगी संगठन बाहरी आतंकरोधी दबाव के प्रति लचीले और अनुकूलनशील बने रहे। कम केंद्रीकृत संगठनात्मक संरचनाओं के कारण उनसे पैदा होने वाला खतरा बरकरार है। इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट (आईएसआईएल) एक आतंकी समूह है, जिसका लक्ष्य पश्चिम एशिया में खलीफा का शासन स्थापित करना है। रिपोर्ट के अनुसार, दाएश भारत में बड़े पैमाने पर हमले करने में असमर्थ रहा। हालांकि, इसके हैंडलरों ने भारत स्थित समर्थकों के जरिये एकल हमले भड़काने की कोशिश की। दाएश समर्थक अल-जौहर मीडिया अपने प्रकाशन सेरात उल-हक के माध्यम से भारत विरोधी प्रचार कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में दो दर्जन से अधिक आतंकी समूह सक्रिय हैं। संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने इन्हें अफगानिस्तान के साथ-साथ क्षेत्र के अन्य देशों के लिए भी खतरे के रूप में आंका है। रिपोर्ट के अनुसार, सत्ता तथा वरिष्ठ व मध्यम स्तर के नेतृत्व को गंवाने के बावजूद अफगानिस्तान में आतंकी संगठनों की उपस्थिति उसके साथ-साथ मध्य एशियाई देशों की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा और गंभीर चुनौती है।

इसके अलावा, दाएश से अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा को खतरे से संबंधित महासचिव की 20वीं रिपोर्ट के अनुसार, दाएश से पैदा होने वाले खतरी की गंभीरता चिंताजनक बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, दाएश नेतृत्व तथा उसकी वित्तीय गतिविधियों को लक्षित करने में सदस्य देशों व अंतरराष्ट्रीय साझेदारों की लगातार प्रगति के बावजूद आतंकी समूह खुद को परिस्थिति के अनुरूप ढाल रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपनी रिपोर्ट में कहा, अफगानिस्तान में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इस्लामिक स्टेट-खुरासान न केवल देश, बल्कि क्षेत्र और उससे आगे के लिए भी खतरा बना हुआ है। मैं सभी सदस्य देशों से आह्वान करता हूं कि वे एकजुट होकर अफगानिस्तान को फिर से अन्य देशों को प्रभावित करने वाली आतंकी गतिविधियों का केंद्र बनने से रोकें। अफगानिस्तान सक्रिय अल-कायदा ने गैर-अफगान मूल के क्षेत्रीय आतंकी संगठनों तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान, ईस्टर्न तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम/टीआईपी) व जमात अंसारुल्लाह के साथ संबंध मजबूत करने की कोशिश की, ताकि पड़ोसी देशों में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान ने अल-कायदा को मजबूत करने के लिए अफगानिस्तान में सेफ हाउस व प्रशिक्षण शिवरों के जरिये अपने अनुकूल वातावरण बनाए रखा। तालिबान ने टीटीपी को रसद व वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा। एक सदस्य राष्ट्र ने बताया कि नूर वली मसूद के परिवार को 30 लाख अफगानी (लगभग 43,000 अमेरिकी डॉलर) का मासिक भुगतान मिलता था। टीटीपी ने अफगान तालिबान सहित टीटीपी कैडरों के भीतर भर्ती बढ़ाते हुए कुनार, नंगरहार, खोस्त व पक्तिका (बरमल) प्रांतों में नए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए।

सीएम डॉ. मोहन यादव आज चंबल नदी में छोड़ेंगे घड़ियाल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को मुरैना में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य जायेंगे, जहां घड़ियालों को चंबल नदी में छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव करह धाम आश्रम का भ्रमण कर वहां संचालित गतिविधियों का अवलोकन भी करेंगे। सीएम चंबल अभयारण्य का भ्रमण कर चंबल नदी के घड़ियाल अभयारण्य की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर पर्यटन सुविधाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति ने मध्यप्रदेश को कई वरदान दिए हैं। सघन वन, वृक्षों की विविधता के साथ ही वन्य-प्राणियों की भी विविधता मध्यप्रदेश में देखने को मिलती है। वनों और वन्य-प्राणियों से मध्यप्रदेश की एक अलग पहचान बनी है। मध्यप्रदेश बाघ, तेंदुआ और घड़ियाल जैसे प्राणियों की सर्वाधिक संख्या वाला प्रदेश है। चीता पुनर्स्थापन करने वाला मध्यप्रदेश एक मात्र प्रदेश है।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में ही नहीं पूरे विश्व में सर्वाधिक घड़ियाल चंबल नदी में पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि विश्व में लगभग तीन हजार घड़ियाल हैं, तो इनमें से 85 प्रतिशत चंबल नदी में हैं। करीब चार दशक पहले घड़ियालों की गणना का कार्य शुरू हुआ, जिससे घड़ियालों के इतनी बड़ी संख्या में चंबल में होने की जानकारियां सामने आईं। जनवरी और फरवरी महीने में अनुकूल तापमान का अनुभव कर घड़ियाल पानी से बाहर निकलते हैं और उस वक्त घड़ियालों और मगरमच्छों की गिनती आसानी से हो जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्य-जीव अभयारण्य के नाम से भी जाना जाता है। पर्यटकों में यह चंबल बोट सफारी के नाम से प्रसिद्ध है। यह तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के संयुक्त प्रयासों से एक प्रमुख संरक्षण परियोजना है। मध्यप्रदेश में वर्ष 1978 में इसे वन्य-जीव अभयारण्य के रूप में मान्यता दी गई थी। चंबल घड़ियाल वन्य-जीव अभयारण्य का मुख्य उद्देश्य लुप्तप्राय घड़ियाल, लाल मुकुट छत वाले कछुए और लुप्तप्राय गांगेय डॉल्फिन को संरक्षित करना है। यह अभयारण्य लगभग साढ़े पांच वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। पहाड़ियों और रेतीले समुद्र तटों की तरह चंबल नदी के तटों से यह धरती भरी हुई है। यह वन्य-जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत संरक्षित है और इसका मुख्यालय मुरैना में है।

दिल्ली ने नए मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला आज होने की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जबरदस्त जीत के बाद मुख्यमंत्री को लेकर पिछले कई दिनों से चर्चा है। बताया जा रहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे से लौटने के बाद सीएम को लेकर फैसला किया जाएगा। ऐसे में अब खबर है कि सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की एक अहम बैठक होने वाली है जिसमें दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लिया जा सकता है।जानकारी के मुताबिक भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर कल विधायक दल की बैठक होगी। इस दौरान पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नए सीएम का ऐलान होगा और परसों रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण हो सकता है। इससे पहले बताया जा रहा था कि दिल्ली में भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है और नई सरकार अन्य चीजों के अलावा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, बेहतर नागरिक बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता देगी। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी। भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा से वापस आ रहे हैं और जल्द ही भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। राजौरी गार्डन से विधायक और मुख्यमंत्री या मंत्री पद के दावेदार माने जा रहे सिरसा ने कहा कि नई सरकार 19-20 फरवरी के आसपास काम करना शुरू कर देगी। सिरसा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भाजपा विधायक दल की बैठक 18-19 फरवरी के आसपास होगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद 20 फरवरी तक नई सरकार का गठन हो जाएगा।

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए किसी भी तरह की होड़ के संबंध में नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने कहा कि ऐसी बातें केवल मीडिया द्वारा की जा रही अटकलें हैं।

लक्ष्मी नगर सीट से दूसरी बार विधायक बने अभय वर्मा ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री पद के लिए कोई होड़ नहीं है। हमारी पार्टी में विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री या विधायक दल के नेता का चुनाव होता है। पूर्वांचली नेता वर्मा को भी दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में माना जा रहा है। वर्मा ने कहा, हम लोगों की सेवा करने आए हैं और अब विकास, स्वच्छ जल आपूर्ति और लोगों के लिए स्वच्छ हवा जैसे मुद्दों के साथ-साथ यमुना को प्रदूषण से मुक्त करने के बारे में सोच रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया 'आदि महोत्सव' का शुभारंभ

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को नई दिल्ली में 'आदि महोत्सव' का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं और जनजातीय विकास बजट पांच गुना बढ़ाकर 1.25 लाख करोड़ रुपये किया गया है।मुर्मू ने कहा कि जनजातीय समाज के विकास पर खास ध्यान देने के पीछे का विचार यह है कि जब आदिवासी समाज आगे बढ़ेगा, तभी हमारा देश भी सही मायनों प्रगति करेगा। उन्होंने आगे कहा कि जनजातीय समाज की शिल्पकला, भोजन, पोशाक, आभूषण, चिकित्सा पद्धतियां, घरेलू उपकरण और खेल हमारे देश की अनमोल विरासत हैं। साथ ही वे आधुनिक और वैज्ञानिक भी हैं, क्योंकि वे प्रकृति के साथ सामंजस्य और एक स्थायी जीवनशैली के आदर्शों को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जनजातीय कल्याण बजट आवंटन तीन बढ़ाकर करीब 15 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है। जनजातीय समाज के विकास पर खास ध्यान देने के पीछे विचार यह है कि जब जनजातीय समाज आगे बढ़ेगा, तभी हमारा देश भी सही मायने में आगे बढ़ेगा। इसीलिए जनजातीय अस्मिता के प्रति गर्व की भावना को बढ़ाने के साथ-साथ जनजातीय समाज के विकास के लिए तेज गति से बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जताई कि जनजातीय समाज के आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार की दिशा में काफी प्रगति हो रही है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुर्मू ने कहा, यह खुशी की बात है

देश में पहली बार इंदौर में नवजात की आर्टिफिशयल स्किन सर्जरी

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में नवजात की आर्टिफिशयल स्किन सर्जरी कर डॉक्टरों ने इतिहास रच दिया है। देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि 15 दिन के बच्चे की इस तरह से दो सर्जरी की गई है। बच्चे को जानलेवा इन्फेक्शन होने के कारण पूरी पीठ व निचले हिस्से की त्वचा काली पड़ गई, जो धीरे-धीरे जख्म का रूप लेकर फैलने लगी। बच्चे की पीठ पर बड़ा गड्ढा हो गया। इसके बच्चे को एक करवट पर लेटाकर इलाज करना पड़ा। बताया जा रहा है कि शिप्रा निवासी पंकज व सीमा जलवाया के नवजात बच्चे सार्थक को जन्म के 6 दिन बाद से ही बुखार आने लगा, वह दूध नहीं पी रहा था। शरीर पर सूजन लगातार बढ़ती जा रही थी। इसके चलते परिजनों ने सीहोर के एक अस्पताल में दिखाया, जहां पर डाक्टरों ने दो दिन तक आईसीयू में रखकर इलाज किया लेकिन आराम नहीं मिला। इसके बाद परिजन बच्चे को लेकर इंदौर के पहुंचे। जहां पर डाक्टरों ने देखा तो बच्चे का सीना पूरी तरह लाल हो गया था, पीठ का 80 प्रतिशत हिस्सा संक्रमित होकर सूज गया था। डाक्टरों के पूछने पर माता-पिात ने बताया कि सर्दी होने के कारण सिकाई की थी। डाक्टरों ने जाना कि सिकाई से ऐसा संक्रमण तो नहीं हो सकता है बल्कि हाइजीन न रखने के कारण ऐसा हो सकता है। बच्चे की पीठ से पस निकलना शुरू हुआ तो उसे दवाईयों से भी कंट्रोल करने की कोशिश की लेकिन हड्डी दिखने लगी थी। जांच रिपोर्ट में जो संक्रमण सामने आया है वह साधारण न होकर एबनॉर्मल इन्फेक्शन (सिनर्जिस्टिक बैक्टीरियल गैंग्रीन विद सेप्टीसीमिया) निकला। इस इन्फेक्शन ने उसे चपेट में ले लिया था। उसका ब्लड काउंट 29 हजार तक पहुंच गया था। रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टरों को इलाज की दिशा मिली। परिजनों की सहमति के बाद बच्चे की दो सर्जरी की गई, जो 4-4 घंटे तक चलीं। इसके बाद मेट्रिडर्म (आर्टिफिशियल स्किन) का उपयोग किया गया। यह पहली बार है जब 15 दिन के नवजात पर डर्मल सब्स्टिट्यूट का सफलतापूर्वक उपयोग हुआ। इसके बाद डाक्टरों ने सर्जरी की, इसके बाद 22 दिनों तक उसे आईसीयू में रखा गया।

एमपीपीएससी की प्रारंभक परीक्षा में सख्ती के साथ हुई एंट्री

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की प्रारंभक परीक्षा-6ञ69 रववार को 96 जलों में हुई। यह परीक्षा कुल 59त्न पदों के लए आयोजत की गई। छात्रों को परीक्षा के लए सुबह स बजे बुलाया गया था। परीक्षा केंद्रों पर जांच के दौरान छात्र-छात्राओं को अलग-अलग कतार में लगाकर उनकी तलाशी ली गई। एमपीपीएससी के ओएसडी डॉ. रवींद्र पंचभाई के मुताबक मप्र में सुबह की शफ्ट में त्न× प्रतशत और दूसरी शफ्ट में त्न6 प्रतशत स्टूडेंट उपस्थत रहे। इंदौर में 6× हजार छात्रों ने परीक्षा दी। करीब यहां 6त्नञ्ञ् छात्र अनुपस्थत रहे। पहली शफ्ट में इंदौर में त्नस और दूसरी में त्नत्न प्रतशत रही। अशोक नगर में प्रदेश में सबसे ज्यादा स5

प्रतशत उपस्थत रही, दूसरी शफ्ट में सञ.9 प्रतशत स्टूडेंट ने परीक्षा दी। इंदौर के इल्वा स्कूल में पहली शफ्ट में परीक्षा देने आए छात्र ने एमपीपीएससी को शकायत की क, उसके पेपर की सील खुली मली है। यह बात उसने पहली शफ्ट की परीक्षा पूरी होने के बाद बाहर आकर बताई। उसने कहा क, मैंने लखत में इसकी शकायत भी की है। एमपीपीएसस के ओएसडी डॉ. पंचभाई ने बताया क यह पेपर पांच सील में रहता है। स्टूडेंट को दो सील खोलना होती है। आखरी सील प्लास्टक की रहती है, वह एक जगह से हीट के कारण पैक नहीं हो पाई थी। हमने उसे सीसीटीवी कैमरे भी दखाए हैं। प्रशासन से भी सभी सीसीटीवी चैक कराए हैं। कहीं कोई खामी नहीं मली है।

छात्रों के परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले ही मुख्य द्वार पर कड़ी चेकंग की गई। जो छात्र जूते पहनकर परीक्षा देने पहुंचे थे। उनके जूते परीक्षा केंद्र के बाहर ही उतरवा लए गए। इसके अलावा बेल्ट, बैग, वॉलेट, बना ट्रांसपेरेंट बोतल, घड़यां, गाड़यों की चाबयां और इलेक्ट्रॉनक गैजेट्स परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर ही जमा करा लए गए थे। दूसरा पेपर आसान था, चेकंग के दौरान कसी तरह की तकलीफ नहीं हुई। परीक्षा हॉल में मौजूद स्टाफ ने नयमानुसार चैकंग की। हॉल में भी हमारी समस्याओं को सुना गया। दूसरी बार परीक्षा देने आई रुकमणी रजक ने बताया क जसने मेहनत की है उसके लए दोनों पेपर आसान थे। हमारे सेंटर पर कसी तरह की शकायत सामने नहीं आई।

6 साल की बच्ची को टीचर ने पीटा आंख का ऑपरेशन कराना पड़ा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर इलाके में क्रिश एकेडमी की एक टीचर द्वारा 6 साल की बच्ची के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि टीचर ने बच्ची को थप्पड़ मारा, जिससे उसकी आंख पर चोट लग गई। शुरूआती नजरअंदाजी के बाद जब बच्ची की तबीयत बिगड़ी, तो जांच में पता चला कि उसकी आंख का पर्दा खिसक गया है, जिसके बाद उसका ऑपरेशन करना पड़ा।

तेजाजी नगर पुलिस के अनुसार, बच्ची के पिता गोपाल राणे की शिकायत पर स्कूल की टीचर करिश्मा बामनिया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना 7 नवंबर की है, जब केजी-2 में पढ़ने वाली बच्ची को टीचर ने थप्पड़ मारा था। थप्पड़ उसकी आंख पर लगा, जिससे उसकी आंख लाल हो गई और धीरे-धीरे देखने में परेशानी होने लगी। परिवार ने पहले स्कूल प्रबंधन से शिकायत की, लेकिन उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया गया। बाद में जब 3 जनवरी को अरविंदो अस्पताल में बच्ची का चेकअप कराया गया, तो डॉक्टरों ने बताया कि उसकी आंख का पर्दा अंदर खिसक गया है। स्थिति गंभीर होने पर 11 जनवरी को उसका ऑपरेशन करना पड़ा।

परिवार ने बच्ची का इलाज कराने के बाद बाल कल्याण समिति में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान एक अन्य बच्ची के भी बयान लिए गए, जिसमें घटना की पुष्टि हुई। जांच में सामने आया कि थप्पड़ लगने के तुरंत बाद बच्ची को कुछ समय के लिए दिखना बंद हो गया था,

जिसके बाद स्कूल में ही उसे आई ड्रॉप डालकर उपचार दिया गया, लेकिन इसकी सूचना परिजनों को नहीं दी गई। इतना ही नहीं, स्कूल में पढ़ने वाले एक अन्य बच्चे ने पीड़िता के परिवार के दूसरे बच्चे से कहा था कि वह घर पर कुछ न बताए, नहीं तो टीचर उसे और मारेगी। जांच में बच्ची के बयान सही पाए गए, जिसके बाद पुलिस ने टीचर करिश्मा बामनिया और स्कूल प्रबंधक योगेश चौहान के भी बयान लिए, जो संतोषजनक नहीं मिले। बाल समिति की रिपोर्ट के आधार पर तेजाजी नगर पुलिस को पत्र भेजा गया, जिसके बाद टीचर करिश्मा बामनिया के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

मध्यप्रदेश महापौर परिषद की बैठक आज इंदौर में

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश महापौर परिषद की बैठक 17 फरवरी को इंदौर में होने जा रही है। ये बैठक ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में शुरू होगी। 16 में से 14 महापौर ने आने की स्वीकृति दी है। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के साथ ही वे शहर का सफाई मॉडल देखेंगे और छप्पन दुकान और सराफा में घूमने भी जाएंगे।

मध्यप्रदेश महापौर परिषद की बैठक को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव इस बैठक की मेजबानी करेंगे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि 17 फरवरी को मध्यप्रदेश के सभी शहरों के महापौर देवी अहिल्या की इस नगरी में होंगे। 16 में से 14 महापौरों ने अपने आने की स्वीकृति दी है। ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर पर उद्घाटन सत्र के साथ-साथ नगरीय निकायों के विकास उनकी आवश्यकताएं व मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा होगी। सभी महापौर को इंदौर के सफाई मॉडल के साथ-साथ इंदौर का छप्पन दुकान और सराफा की सैर भी करवाई जाएगी।

सीएम ऑनलाइन करेंगे संबोधित

बताया जा रहा है कि इस बैठक में सीएम डॉ.मोहन यादव ऑनलाइन जुड़ेंगे। उद्घाटन सत्र में सभी को संबोधित करेंगे। बैठक में कई मंत्रियों सहित जनप्रतिनिधि और नगर निगम के अधिकारी शामिल होंगे।उद्घाटन सत्र के बाद राउंड टेबल पर चर्चा की जाएगी। इसमें नगरीय निकायों के विकास सहित विभिन्न विषयों पर बातचीत होगी। बैठक में कुछ प्रस्ताव भी पारित किए जाएंगे। बैठक के बाद महापौरों को इंदौर का सफाई मॉडल बताया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें छप्पन दुकान और सराफा चौपाटी की सैर कराई जाएगी, जहां पर वे अलग-अलग जायकों का लुत्फ लेंगे।

लक्ष्मीबाई नगर में दूसरा बड़ा स्टेशन बनाने की तैयारी, तेजी से चल रहा काम

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर का दूसरे सबसे बड़े रेलवे स्टेशन का काम लक्ष्मीबाई नगर में तेजी से चल रहा है। इसके लिए तय एजेंसी को अप्रैल माह तक की मियाद दी गई है। स्टेशन की नई बिल्डिंग, प्लेटफार्म चौड़ीकरण, फुट ब्रिज सहित कई काम चल रहे है। छह माह बाद इस स्टेशन से ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा,क्योकि मुख्य रेलवे स्टेशन का पुर्न विकास के काम भी जल्दी ही शुरू होने वाला है। लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन पर दो नए प्लेटफार्म के अलावा दो लूप लाइन तैयार की जा रही है,ताकि ज्यादा ट्रेनों का संचालन यहां से हो सके। अभी स्टेशन का गेट लक्ष्मीबाई नगर की तरफ है, दूसरा गेट बाणगंगा की तरफ भी बनाया जा रहा है, ताकि यात्रियों की आवाजाही उस हिस्से से भी हो सके। स्टॉफ के बैठने के लिए बड़े कक्ष, यात्रियों के लिए प्रसाधन सुविधा, वेटिंग रुम सहित अन्य काम भी तेजी से हो रहे है। तीन साल बाद उज्जैन में सिंहस्थ मेला लगने वाला है। उज्जैन का सबसे निकटवर्ती स्टेशन यहीं रहेगा। इस कारण यहां के विस्तार और सुविधाएं बढ़ाने पर रेल विभाग ज्यादा जोर दे रहा है। स्टेशन की एप्रोच के आसपास से बाधक निर्माण भी तोड़े जाना है,क्योकि नगर निगम यहां एमआर-4 सड़क का बचा निर्माण पूरा कर रहा है। यह सड़क तीन रेलवे स्टेशन और दो बस स्टैंडों को जोड़ेगी। जून माह से पहले तक इस स्टेशन का काम पूरा हो जाएगा। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि तब तक इंदौरके मुख्य रेलवे स्टेशन के निर्माण का काम भी शुरू हो जाएगा।

फिर ट्रेनों का संचालन लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान मुख्य रेलवे स्टेशन से नए रेलवे स्टेशन का एरिया दस गुना बढ़ा होगा। वर्तमान रेलवे स्टेशन का बिल्टअप एरिया 50 हजार वर्गफीट है, जबकि नए रेलवे स्टेशन का बिल्टअप एरिया 4.45 लाख वर्गफीट होगा।

70 साल की बुजुर्ग महिला की चेन लूटी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम इलाके में एक 70 साल की बुजुर्ग महिला के साथ चेन लूट की वारदात हो गई। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को पकड़ लिया है। भागने के दौरान आरोपियों की एक्टिवा स्लीप हो गई। जिसमें एक का पैर टूट गया। पुलिस आरोपियों से ओर वारदात को लेकर पूछताछ कर रही है। टीआई तरूण भाटी की टीम ने 70 वर्षीय महिला शंकुतला जैन के साथ हुई लूट के मामले में नीलेश निवासी पीथमपुर और उसके साथी को पकड़ा है। आरोपियों ने एक दिन पहले चैन लूट की वारदात को अजांम दिया था। बताया जाता है कि भागने के दौरान बदमाश गिर गए। इसमें उनके हाथ पैरो में चोटें आई है। पुलिस के मुताबिक शकुंतला ने अपनी शिकायत में बताया था कि विद्या पैलेस में उनके घर के बाहर

वर्धमान किराना के नाम से किराना दुकान है। शाम करीब 4 बजे के लगभग वह दुकान पर थी। तब नीले रंग की एक्टिवा सो दो लड़के वहां पहुंचे। जिसमें आगे वाले लड़के ने मास्क पहना हुआ था। पीछे बैठा लड़का एक्टिवा से उतरकर आया ओर चाकलेट मांगी। जब शकुंतला चाकलेट निकालने के लिए झुकी तो आरोपी ने गले पर झपट्?टा मारकर चेन लूट ली। जिसमें सोने का पेडल भी लगा हुआ था। इस मामले में वह बेटे को लेकर थाने शिकायत करने पहुंची थी। पुलिस ने उक्त मामले के सीसीटीवी खंगाले। जिसमें आरोपी चेहरे पर मास्क पहने दिखे। पुलिस ने गाड़ी के लगातार फुटेज निकालने के बाद आरोपियों को दबोच लिया। अभी उनसे पूछताछ की जा रही है।

आवारा जानवरों से किसान परेशान, खड़ी फसल को पहुंचा रहे नुकसान

सिटी चीफ इंदौर।

देपालपुर। क्षेत्र के किसान इन दिनों आवारा पशुओं से बुरी तरह परेशान हैं। मेहनत से तैयार की गई फसल जब पककर तैयार होती है, तब बेजुबान आवारा जानवर खेतों में घुसकर पूरी फसल को बर्बाद कर देते हैं। 20 साल बाद कांग्रेस से मुक्त होकर भाजपा की नगर परिषद बनते ही विधायक मनोज पटेल ने तीन दिन में नगर को आवारा पशुमुक्त करने की घोषणा को तीन साल बीत चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। उलटा, आवारा पशुओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

मंगलवारिया पशु हाट बना किसानों की परेशानी की वजह - देपालपुर नगर में हर मंगलवार को संभाग का सबसे बड़ा पशु हाट बाजार लगता है, जहां महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, धार, देवास, नागदा, महू, सनावद और अन्य शहरों से व्यापारी और किसान पशु खरीदने-बेचने बड़ी तादाद में आते हैं। लेकिन जिन पशुओं की बिक्री नहीं होती, उन्हें किसान और व्यापारी यहीं छोड़ देते हैं।

इस कारण हर सप्ताह 15-20 नए आवारा पशु नगर में इकट्ठा हो जाते हैं। कमजोर पशुओं को आवारा कुत्ते भी अपना शिकार बना लेते हैं, जिससे नगर में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

नगर परिषद इस पशु हाट बाजार को खुद संचालित करती है और वहां से लाखों रुपये टैक्स भी वसूलती है, लेकिन आवारा पशुओं की समस्या पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। किसानों का कहना है कि अन्य नगरों में ऐसे पशुओं को खुले में नहीं छोड़ा जाता, लेकिन देपालपुर में कोई सख्ती नहीं बरती जा रही है। क्षेत्र के किसानों संतोष ठाकुर, मोहन ठाकुर, मोहन ठाकुर, सहित कई अन्य किसान नेताओं ने नगर परिषद को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आवारा पशुओं को बाहर भेजने की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। प्रदेश सरकार ने कई गौशालाएं गांव गांव में खुलवाई हैं, ऐसे में आवारा पशुओं को वहां भेजने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि किसानों की मेहनत बर्बाद होने से बच सके। किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन इस समस्या का हल नहीं निकाल सकता, तो उन्हें उनकी बर्बाद हुई फसल का बीमा या उचित मुआवजा दिया जाए।अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या का समाधान करता है, या फिर किसान आंदोलन के लिए मजबूर होते हैं।

उज्जैन महाकाल महालोक में 'सम्राट अशोक सेतु' का उद्घाटन

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकाल महालोक परिसर में नए पुल का नाम सम्राट अशोक सेतु रखने का ऐलान किया है। यह पुल रुद्र सागर पर बना है। इसका उद्घाटन सम्राट अशोक की याद में किया गया, जिन्होंने सनातन संस्कृति और उज्जयिनी को विश्व में प्रसिद्ध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जयिनी ने हमेशा महान सम्राटों को संरक्षण दिया है। इसमें विक्रमादित्य, भृतहरी और अशोक जैसे नाम शामिल हैं। नए पुल से श्रद्धालुओं को महाकाल के दर्शन में आसानी होगी। उद्घाटन के समय आतिशबाजी भी हुई। यह कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट अशोक ने सनातन संस्कृति और उज्जयिनी को विश्व में ख्याति दिलाई थी। इसलिए उनके नाम पर इस पुल का नामकरण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान महाकाल के आशीर्वाद से उज्जयिनी का कभी अंत नहीं होगा। यहां तपस्या से सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि

उज्जयिनी ने प्राचीन काल से ही भारत और सनातन संस्कृति के ध्वजवाहकों को संरक्षण दिया है। राजा विक्रमादित्य, राजा भृतहरी और सम्राट अशोक जैसे महान शासकों ने इसी नगरी में शासन किया। उन्होंने कहा कि पुल के उद्घाटन पर हुई आतिशबाजी ने सभी का मन मोह लिया। आतिशबाजी में महाकालेश्वर मंदिर का शिखर सोने की तरह चमक रहा था। जैसे महाकवि कालिदास ने अपने काव्यों में वर्णन किया है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि औद्योगिक विकास के बाद उज्जैन और पूरा प्रदेश भी इसी तरह प्रकाशमान होगा। स्मार्ट सिटी के सीईओ संदीप शिवा ने बताया कि रुद्र सागर पर बना यह पुल 22.5 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। इसकी लंबाई 200 मीटर और चौड़ाई 9 मीटर है। यह पुल मुख्यमंत्री के निर्देश पर बनाया गया है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को कम चलकर जल्दी से जल्दी महाकाल के दर्शन कराने में मदद करना है। सम्राट अशोक सेतु श्रद्धालुओं को मुख्य पार्किंग से सीधे महाकाल लोक तक पहुंचाएगा। इससे दर्शनार्थियों को काफी सुविधा होगी। इस पुल से श्रद्धालु लाइट एंड साउंड शो भी देख सकेंगे। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। भस्म रमैया भक्त मंडल के डमरू वादकों ने अपनी प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुल के लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव और महाराज विनीत गिरी भी उपस्थित थे। इस पुल के निर्माण से श्रद्धालुओं को बहुत लाभ होगा और उन्हें दर्शन के लिए कम पैदल चलना पड़ेगा। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में आयोजित लोधा (लवंशी) क्षत्रिय समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां उन्होंने भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इसके साथ ही 25 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। इस दौरान डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, कांग्रेसी कहते हैं कि, वे ओबीसी समाज के लिए काम कर रहे हैं। अरे भैया तुम्हारे परदादा नेहरू ने ही जनगणना रुकवाई थी। ये पाप तुम्हारे सिर पर है। दूसरों को दोष क्यों दे रहे हो। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में और हमारे पार्टी ने ओबीसी वर्ग को हक देने का लगातार काम किया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के संवैधानिक मान्यता को आजादी के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दी है। सीएम ने कहा- समाज को आगे बढ़ाने के लिए सबको एकजुट होकर काम करना चाहिए। हम भगवान राम के वंश के लोग हैं। भगवान श्री राम का जीवन बहुत कष्टप्रद रहा, लेकिन उन्होंने कभी उसे जाहिर नहीं होने दिया। भगवान राम के जन्म को 17 लाख साल बीत चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, भोपाल में बनने वाले इस भवन के लिए आप आगे बढ़ोगे तो मैं भी पीछे नहीं रहूंगा। इसके लिए हर संभव मदद करूंगा। जब भवन बनता है तो वह सिर्फ निर्माण का हिस्सा नहीं होता है। भवन की आत्मा लोगों के आवागमन से होती है। उनसे होने वाली सामाजिक गतिविधि से होती है। इस भवन में भी लोगों के बीच विचार विमर्श होगा, बच्चों के शिक्षा से जुड़ी सुविधा भी मिलेंगे। सीएम ने कहा कि, सिर्फ चार जाति है। जिसमें गरीब, महिला, युवा और किसान शामिल है। इन चारों समाज के अंदर हमारा विकास आ जाता है। हमने इन सभी क्षेत्रों में लगातार काम किया है।

खेती-किसानी के लोगों के लिए घर बैठे नामकरण करने का फैसला लिया। पहली बार प्रधानमंत्री ने घर बैठे किसानों को 6000 देने की बात की है। फिर उससे आगे बढ़कर 6000 हमारी सरकार द्वारा भी दिया जा रहा है और लगातार दे रहे हैं। सीएम ने कहा कि राजधानी भोपाल सज धज कर मेहमानों का इंतजार कर रही है। हम सब मिलजुल कर मध्य प्रदेश को आगे बढ़ाएंगे। मध्य प्रदेश पूरे देश का नंबर वन राज्य बनेगा।

फाइनल रिहर्सल हुई, आज से वनविहार की एंट्री में बदलाव

ऑल इंडिया वाटर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप आज से, तैयारी पूरी

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। अखिल भारतीय स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा इस वर्ष 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश पुलिस की मेजबानी में 17 से 21 फरवरी, 2025 तक स्थानीय बोट क्लब, बड़ा तालाब, भोपाल में किया जा रहा है। इस अवसर पर कुल 22 राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कुल 557 प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिनमें 123 महिला खिलाडी सम्मिलित है। इस बीच भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क का गेट नंबर एक 17 से 20 फरवरी तक बंद रहेगा। यह बंद 24वीं ऑल इंडिया वाटर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024-25 के कारण होगा। यह चैंपियनशिप 17 से 21 फरवरी तक भोपाल में आयोजित होगी। इस दौरान गेट नंबर 1 से सिर्फ पैदल आने-जाने की अनुमति होगी। गाड़ियों का आना-जाना पूरी तरह बंद रहेगा। चिंता की कोई बात नहीं, सैर सपाटा की तरफ वाला गेट नंबर 2 खुला रहेगा। यहां से सभी गाड़ियों - दोपहिया, चार पहिया, और छह पहिया - आ-जा सकेंगी। घूमने के बाद, बाहर निकलने के लिए भी गेट नंबर 2 का ही इस्तेमाल करना होगा। 24वीं ऑल इंडिया वाटर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप भोपाल में होने वाली है। इसके तारीखें तय की गई हैं। बोट क्लब के पास वाले वन विहार के गेट नंबर 1 को 17 से 20 फरवरी तक बंद रखा जाएगा। इससे चैंपियनशिप के दौरान आने-जाने वालों को कोई परेशानी न हो। साथ ही वाहनों की आवाजाही न होने के कारण जाम या अन्य किसी अप्रिय घटना का डर खत्म हो जाएगा। प्रशासन की टीम चैंपियनशिप को लेकर तैयार हो चुकी है। अखिल भारतीय पुलिस वाटर स?पोर्ट्स प्रतियोगिता-2025 की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। पुलिस महानिदेशक एवं प्रतियोगिता के संरक्षक कैलाश मकवाणा ने अंतर्राष?ट्रीय मापदंडों

के अनुरूप सभी प्रतिस?पधाएं आयोजित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। रविवार की शाम 4 बजे पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की मौजूदगी में प्रतियोगिता के उद्घाटन कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल हुई। मुख्य अतिथि की भूमिका 7वीं वाहिनी के प्रधान आरक्षक रामचंद्र कुशवाहा ने निभाई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसएएफ राकेश गुप्ता, आयो?जन समिति की सचिव कृष?णावेणी देसावतु सहित अन?य संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।

पर्यटकों के लिए खुला रहेगा वन विहार

पर्यटकों के लिए वन विहार खुला रहेगा। लेकिन गेट नंबर 1 से सिर्फ पैदल ही जा सकेंगे। कोई भी गाड़ी - मोटरसाइकिल, कार, बस, ट्रक - अंदर नहीं जा पाएगी। यह बंद 17 से 20 फरवरी तक रहेगा। घूमने आने वालों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है। सैर सपाटा वाले गेट नंबर 2 से सभी प्रकार की गाड़ियाँ आ-जा सकेंगी। पार्क देखने के बाद बाहर निकलने के लिए भी गेट नंबर 2 का ही इस्तेमाल करना होगा। बता दे, कि 24वीं ऑल इंडिया वाटर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप एक बड़ा आयोजन है। इसमें देशभर से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसलिए वन विहार के गेट नंबर 1 को बंद रखने का फैसला लिया गया है। ताकि आयोजन में कोई बाधा न आए और पर्यटकों को भी दिक्कत न हो।

इन प्रदेशों के खिलाड़ी होंगे शामिल

प्रतियोगिता में मेजबान मध्य प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त असम, मणिपुर, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, पंजाब, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, जम्मू एण्ड कश्मीर, ओडिशा, केरल, सी.आर.पी.एफ., एस.एस.बी., बी.एस.एफ., असम राईफल्स, आई.टी.बी.पी., अण्डमान एवं निकोबार एवं चण्डीगढ के कुल 22 टीमों के खिलाडी भाग ले रहे है।

मध्यप्रदेश पुलिस का शानदार रिकार्ड

पूर्व में वर्ष 2005, 2007, 2013, 2017 एवं 2019 में भी मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी की गई है। वर्ष 2002 में ऑल इन्डिया पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा पुलिस खेलों में वॉटर स्पोर्ट्स को सम्मिलित किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश पुलिस के द्वारा अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए 12 स्वर्ण, 3 रजत तथा 6 कांस्य पदक अर्जित किये गये।मध्यप्रदेश पुलिस की अखिल भारतीय पुलिस खेल स्पधाओं में मेजबानी का तथा वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में गौरवशाली इतिहास रहा है। इसी परम्परा को कायम रखते हुए प्रतियोगिता हेतु आने वाली टीमों को समस्त मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण आवासीय स्थलों पर रुकने की व्यवस्था की गई है साथ ही भारतीय क्याकिंग एवं केनोइंग एसोसिएशन तथा रोइंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा अपने उच्च स्तरीय राष्ट्रीय अम्पायरों तथा ऑफिशियल्स की उपलब्धता सुनिश्चित की है ताकि प्रतियोगिता को परम्परा अनुसार भव्यता प्रदान की जा सके।

सीएम करेंगे उद?घाटन

कार्यक्रम का उद?घाटन डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन द्वारा 17 फरवरी को बोट क्लब, बड़ी झील पर किया जावेगा।

इस प्रतियोगिता के सुगम संचालन हेतु खेल एवं युवा कल्याण विभाग का भी व्यापक तथा सतत सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। संपूर्ण प्रतियोगिता में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस वॉटर स्पोर्टस प्रतियोगिता के इतिहास में प्रथम बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कार्बन फाइबर की समस्त बोट्स में प्रतियोगिता संपादित कराई जा रही है।

आंख में घुसा जीवित परजीवी, एम्स के डॉक्टरों ने बचाई युवक की रोशनी

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। राजधानी भोपाल से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक की आंखें तेजी से लाल हो गई थी। इतना ही नहीं उसे दिखना भी कम हो गया था। दवाएं लेने के बाद भी वह लगातार दृष्टि खो रहा था। लेकिन एक जांच में जो बात सामने आई तो डॉक्टर भी सन्न रह गए।

उसकी आंखों में जीवित परजीवी यानि पैरासाइट घुस गया था। यह बात सामने आते ही मरीज घबरा गया। क्योंकि पैरासाइट की लंबाई 1 सेंटीमीटर थी। यह पूरा मामला भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सामने आया है। एम्स के नेत्र रोग विभाग में डॉक्टर्स ने पहले मरीज को स्टेरॉयड आई ड्रॉप्स और टैबलेट्स खाने के लिए कहा। इसके बाद भी मरीज की दृष्टि अधिक तेजी से कमजोर होने लगी। जब डॉक?टरों ने उसके आंखों की विस्तृत जांच की तो इसमें उनकी आंख के कांचीय द्रव (विट्रियस जेल) में एक जीवित परजीवी कीड़ा(पैरासाइट) पाया गया। 35 वर्षीय इस मरीज की एम्स में सफल सर्जरी की गई है। डॉक्टर्स ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही ही उसकी दृष्टि में सुधार होगा।

एम्स में हुई स्पेशल रेयर सर्जरी

बताया जा रहा है कि एम्स के नेत्र विभाग के रेटिना सर्जन डॉ समेंद्र करखुर ने इस सफल सर्जरी को अंजाम दिया है। करखुर ने बताया कि आंख से एक बड़े जीवित परजीवी को निकालना अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन हमने परजीवी को निष्क्रिय करने के बाद इसे विट्रियो-रेटिना सर्जरी तकनीक का उपयोग करके सफलतापूर्वक हटा दिया है। उन्होंने बताया कि इस परजीवी की पहचान ग्नाथोस्टोमा स्पिनिजेरम के रूप में हुई, जो आंख के अंदर बहुत ही दुर्लभ रूप से पाया जाता है।

युवक को हुई दुर्लभ बीमारी

अब तक भारत में सिर्फ दो से तीन मामलों में ही इस परजीवी लार्वा के आंख के विट्रियस कैविटी (कांचीय द्रव) में पाए जाने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। डॉक्टर्स ने कहा कि मांसाहार करने वाले लोगों में यह बीमारी देखी जा सकती है। नॉनवेज खाने के दौरान जीवित पैरासाइट और परजीवी घुस जाता है। इसके बाद शरीर में सुरक्षित स्थान पर बैठ जाता है। ऐसा जब ही होता है, जब नॉनवेज ठीक से पक नहीं पाता। ऐसे में खानपान में सावधानी बरतनी जरूरी है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पीएम मोदी से मिलने का समय मांगा

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। 24 और 25 फरवरी को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने भोपाल आएंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पीएम के भोपाल दौरे के दौरान कांग्रेस विधायकों के साथ मुलाकात का समय मांगा है। नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री के ओएसडी को लेटर लिखकर कांग्रेस विधायकों के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात के लिए समय देने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और मप्र की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा के लिए टाइम मांगा है। नेता प्रतिपक्ष के पत्र पर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ हितेष वाजपेई ने ट्वीट कर लिखा- उमंग सिंघार जी, मध्यप्रदेश की तरक्की आपको रास नहीं आ रही या फिर निवेश और विकास से जलन हो रही है? ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में व्यवधान डालकर प्रधानमंत्री जी का समय व्यर्थ करना, प्रदेश की खुशियों पर ब्रेक लगाने की नाकाम कोशिश है। भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले सीएम मोहन यादव देश के 6 शहरों और दुनिया के तीन देशों इन्वेस्टर समिट कर चुके हैं। जिसमें अब तक 4 लाख 17 हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव मध्य प्रदेश सरकार को मिल चुका है। इस आयोजन को लेकर सीएम मोहन यादव कहते हैं ह्यकभी-कभी भगवान मौका देता है और उसके हिसाब से अनुकूलता भी देता है। देश अभी दुनिया की 5वी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और तीसरी बनने वाला है। इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद। पीएम मोदी मानते हैं कि लड़ाई से नहीं उद्योग से हम आगे बढ़ सकते हैं।

मप्र कर्मचारियों की रैली आज भोपाल में, सरकार को दी चेतावनी

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। अधिकारियों और कर्मचारियों की 51 सूत्रीय मांगों को लेकर मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा सोमवार को महारैली का आयोजन कर रहा है। आंबेडकर पार्क में होने वाली इस रैली में मोर्चा के पदाधिकारी और सहयोगी संगठनों के नेता सभा को संबोधित करेंगे। यहां मांगों और कर्मचारियों को लेकर सरकार के रवैये पर बात होगी। सभा में ही आंदोलन के अगले चरण की रणनीति तैयार की जाएगी। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एमपी द्विवेदी और भोपाल जिला अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी ने बताया कि सरकार का रुख स्पष्ट नहीं हुआ, तो आंदोलन अगले चरण में प्रवेश करेगा और ऐसा आंदोलन होगा, जो पिछले एक दशक में नहीं हुआ।

साहित्यकारों ने कहा-समाज की संवेदना से जुड़कर होता है साहित्य का सृजन

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। भोपाल में रविवार को अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन और हेमंत स्मृति पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अलंकरण सत्र में मंच के राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष कैलाश चंद पंत ने सभी पुरस्कार विजेताओं को आशीर्वाद दिया। संस्था की संस्थापक अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने कवि अरुणाभ सौरभ की रचनाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कविताएं प्रकृति में ईश्वर की खोज करती हैं। मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने भोपाल को साहित्यकारों का मंदिर बताते हुए कहा कि यहां साहित्य सुगंध की तरह बहता है। उन्होंने अपनी एक कविता भी सुनाई- सड़कों पर शीशे की किरचें हैं

और नंगे पांव हमें चलना है। मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक और वरिष्ठ बाल साहित्यकार डॉ. विकास दवे ने साहित्य सृजन के बारे में एक महत्वपूर्ण बात कही कि जब लेखक समाज की संवेदना को अपनी संवेदना से जोड़ता है, तभी वास्तविक साहित्य का निर्माण होता है। कार्यक्रम में साहित्य और कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न हस्तियों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार (रामायण केंद्र के निदेशक) प्रो. राजेश श्रीवास्तव ने एक कविता एक समंदर ढूंढ रहा हूं, मोती अंदर ढूंढ रहा हूं। पढ़कर सुनाई। सत्र की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार विजय बहादुर सिंह ने कहा कि लेखक होना बहुत आसान भी है और बहुत कठिन भी। जो लोग समाज की चुनौतियों को समझते हैं, उनके लिए बहुत कठिन है। लेखक होने के लिए जरूरी है कि हम सोचें कि हमारे जमाने के लोग ही हमें क्यों नहीं पढ़ रहे हैं। साहित्य हमें आदमी से इंसान बनना सिखाता है। मनुष्य होकर जीने की कला सिखाता है। अंजना श्रीवास्तव ने हेमंत की यादों को ताजा किया। अतिथियों का स्वागत जया केतकी (निदेशक अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच) ने किया। इस सत्र का संचालन एवं आभार मुजफ्फर इकबाल सिद्दिकी (महासचिव अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच) ने किया। द्वितीय सत्र-गद्य सत्र की अध्यक्षता इंडिया नेटबुक्स के डॉ. संजीव कुमार ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि तथा कथाकार, गोकुल सोनी, विशिष्ट अतिथि राजेंद्र गट्टानी , वरिष्ठ कवि एवं अध्यक्ष मध्य प्रदेश लेखक संघ मंचासीन थे। विशिष्ट अतिथि थीं डॉ. रानी श्रीवास्तव। डॉ. राजेंद्र राजन एवं डॉ .विनीता राहुरिकार ने इस सत्र में जहां कहानी पाठ किया तो वहीं रामस्वरूप दीक्षित ने व्यंग्य पाठ किया। रानी सुमिता ने कार्यक्रम का संचालन किया।तृतीय सत्र लघुकथा का था। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं वनिका प्रकाशन की मालिक डॉ. नीरज शर्मा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में लघुकथा शोध केंद्र समिति की निदेशक कान्ता रॉय उपस्थित थीं। डॉ. क्षमा शक्ति पाण्डेय एवं डॉ. सुषमा सिंह इस सत्र में विशिष्ट अतिथि थीं। भारत के विभिन्न शहरों से आए 26 लघु कथाकारों ने रचना पाठ किया। समापन सत्र का संचालन करते हुए शेफालिका सक्सेना ने सभी प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह वरिष्ठ रचनाकारों के हाथों प्रदान कराया। कार्यक्रम में टीकमगढ़, दिल्ली, अहमदाबाद, गुरुग्राम, मुंबई, कानपुर, जोधपुर, लखनऊ, सीहोर, विदिशा, रायपुर, इंदौर उज्जैन से आए हुए साहित्यकारों सहित भोपाल के साहित्यकारों एवं पत्रकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

सम्पादकीय

मुफ्त की रेवड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता जायज

सर्वोच्च अदालत ने मुफ्तखोरी और रेवड़ियों पर चिंता के साथ-साथ नाराजगी भी जताई है। मुफ्त सुविधाओं के चलते लोग काम नहीं करना चाहते। खेतों में मजदूर नहीं मिल पा रहे हैं। लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। बिना काम किए नकदी पैसे मिल रहे हैं। मुफ्त पेंशन बांटी जा रही हैं। कई मुफ्त योजनाओं की घोषणाएं कर सुविधाएं दी जा रही हैं। ऐसे में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह ने एक आशंकित सवाल किया है कि क्या हम परजीवियों का एक वर्ग तो नहीं बना रहे हैं?

देश की सियासत में फ्रीबीज यानी मुफ्त की रेवड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता जायज है। तमाम सियासी दल मुफ्तखोरी की होड़ में लगे हुए हैं। ऐसे में जनता को लालच देकर उनका समर्थन हासिल करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। मुफ्तखोरी वाली प्रवृति की शुरुआत दक्षिणी राज्यों आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु से हुई, जहां लगातार सरकारें लोकलुभावन योजनाओं में लिप्त नजर आईं। हालांकि, अब ऐसी राजनीतिक प्रवृति की होड़ से कोई भी राज्य अछूता नहीं रह गया है। महाराष्ट्र के 2024 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2025 के दिल्ली चुनावों और यहां तक कि 2024 के आम चुनावों तक, सभी राजनीतिक दलों ने अकसर दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता की कीमत पर, असाधारण वादे किए हैं। नकद अनुदान और मुफ्त बिजली से लेकर घरेलू उपकरण और बेरोजगारी भत्ते तक, जनता को मुफ्त में गिफ्ट देने की प्रथा एक प्रमुख चुनावी रणनीति बन गई है। महाराष्ट्र के 2024 के चुनावों में, विभिन्न दलों ने मुफ्त राशन योजना, कर्ज माफी, सब्सिडी वाले गैस सिलेंडर और यहां तक कि जनता के खाते में सीधे नकद ट्रांसफर का वादा किया गया, जिससे प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद की मिसाल कायम हुई। 2025 के दिल्ली चुनावों में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी गई, जिसमें प्रमुख दलों ने मुफ्त सार्वजनिक परिवहन और आवश्यक वस्तुओं पर बढ़ी हुई सब्सिडी सहित विस्तारित कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। 2024 के आम चुनावों में भी यह मुफ्त में रेवड़ी बांटने वाली प्रवृत्ति देखने को मिली, जिसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों ही दलों ने बड़े पैमाने पर जनता से वादे किए. कल्याणकारी उपाय, सामाजिक समानता के लिए जरूरी होते हुए भी, अकसर वास्तविक नीतिगत उपायों और चुनाव-चालित तुष्टिकरण की रणनीति के बीच की रेखाएं धुंधली कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन साल पहले रेवड़ी संस्कृति की कड़ी आलोचना की थी। हालांकि कुछ समय बाद भाजपा ने खुद ही मुफ्तखोरी की राजनीति शुरू कर दी, खास तौर पर उत्तरप्रदेश और दूसरे राज्यों के चुनावों के दौरान, सब्सिडी और सीधे नकद लाभ की पेशकश की। यह विरोधाभास एक बुनियादी मुद्दे को उजागर करता है. जबकि पार्टियां बेतहाशा लोकलुभावनवाद के आर्थिक खतरों को स्वीकार तो करती हैं लेकिन चुनावी मजबूरियां उन्हें इसी तरह की रणनीति अपनाने के लिए मजबूर भी करती हैं। पंजाब, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य जो बहुत ज्यादा मुफ्त चीजें देने के लिए जाने जाते हैं, वे बढ़ते राजकोषीय घाटे से जूझ रहे हैं। पिछले दशक में राजकोषीय घाटे के रुझानों के अध्ययन से पता चलता है कि सत्ता में चाहे कोई भी राजनीतिक दल हो, वित्तीय बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। नीति आयोग द्वारा राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक पहल के अनुसार, जो राज्य ज्यादा मुफ्त चीजें वितरित करते हैं, उनके राजकोषीय मापदंड कमजोर होते हैं, जो एक अस्थिर आर्थिक मॉडल का संकेत देते हैं। गैर-परिसंपत्ति-निर्माण व्यय को निधि देने के लिए अत्यधिक उधार पर निर्भरता वित्तीय अस्थिरता को बढ़ाती है, जिससे राज्य ऋण के जाल में और भी ज्यादा फंस जाते हैं। सर्वोच्च अदालत ने मुफ्तखोरी और रेवड़ियों पर चिंता के साथ-साथ नाराजगी भी जताई है। मुफ्त सुविधाओं के चलते लोग काम नहीं करना चाहते। खेतों में मजदूर नहीं मिल पा रहे हैं। लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। बिना काम किए नकदी पैसे मिल रहे हैं। मुफ्त पेंशन बांटी जा रही हैं।

सज्जन कुमार की सजा का संदेश

इंसानी फितरत बहुत जल्द इतिहास के कड़वे सबक भूल जाने की है। आज सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने वाले इस तथ्य को विस्मृत कर जाते हैं कि अतीत में ऐसी करतूतें बेहद विनाशकारी साबित हो चुकी हैं। सज्जन कुमार को पिछले बुधवार को मिली एक और सजा ने न केवल उन दिनों की याद ताजा कर दी, बल्कि घृणा से बजबजाती हमारी दुनिया के बारे में नए सिरे से सोचने को भी प्रेरित किया है। जसवंत सिंह और उनके बेटे की हत्या के जिस मामले में सज्जन कुमार को दोषी करार दिया गया है, उसे इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए पीड़िता को कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़े! इस दौरान पुलिस ने एक बार तो क्लोजर रिपोर्ट ही लगा दी थी। उस दांव के असफल हो जाने के बावजूद लंबे समय तक वह गिरफ्तार नहीं किए गए, लेकिन कानून के हाथ लंबे होते हैं।

इंसानी फितरत बहुत जल्द इतिहास के कड़वे सबक भूल जाने की है। आज सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने वाले इस तथ्य को विस्मृत कर जाते हैं कि अतीत में ऐसी करतूतें बेहद विनाशकारी साबित हो चुकी हैं। सज्जन कुमार को पिछले बुधवार को मिली एक और सजा ने न केवल उन दिनों की याद ताजा कर दी, बल्कि घृणा से बजबजाती हमारी दुनिया के बारे में नए सिरे से सोचने को भी प्रेरित किया है।

जसवंत सिंह और उनके बेटे की हत्या के जिस मामले में सज्जन कुमार को दोषी करार दिया गया है, उसे इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए पीड़िता को कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़े! इस दौरान पुलिस ने एक बार तो क्लोजर रिपोर्ट ही लगा दी थी। उस दांव के असफल हो जाने के बावजूद लंबे समय तक वह गिरफ्तार नहीं किए गए, लेकिन कानून के हाथ लंबे होते हैं। इस वक्त भी वह पांच अन्य लोगों की हत्या के मामले में सजा काट रहे हैं। हालांकि, सिख हिंसा के सभी दोषियों को तत्काल सजा मिलनी चाहिए थी, लेकिन अभी तक बहुत से लोग न्याय की पहुंच से परे हैं। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि हमलावर समूह और उसके संगठनकर्ता भारतीय संविधान की उस भावना के भी हत्यारे थे, जो इंसानी हक-हुकूक और भाईचारे को प्राथमिकता देती है। इस मामले में हुई देरी अक्षम्य है।

सरदार जसवंत सिंह और उनके बेटे को पहली नवंबर 1984 को नई दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में जिंदा जलाकर मार दिया गया था। आततायियों की भीड़ ने छोटे बच्चों व महिलाओं से कहा था कि वे चाहें, तो भागकर जान बचा सकते हैं, लेकिन जसवंत की 14 साल की नाबालिग बेटी भगाने पर भी नहीं भागी। नतीजतन, उसे अपने पिता और भाई को जिंदा जलते देखने का अभिशाप भोगना पड़ा। अभी तक उन क्रूर लम्हों के गहरे जख्म उसके दिल और दिमाग में हलचल पैदा करते हैं। अदालत में गवाही देते वक्त उसकी लरजती आवाज और भीगी पलकें इसकी गवाह थीं। न्यायिक प्रक्रिया के इन बोझिल पलों में जैसे वह अतीत के उन काले दिनों में लौट गई थी, जहां चीखें, कोलाहल, भीड़, गुस्सा, गम, बेबसी और लाचारी थी। हाई स्कूल में पढ़ रही किशोरी को उस वक्त यह भी नहीं पता था कि ये हत्यारे कौन हैं, कहां से आए हैं और इनका नेता कौन है? वह सिर्फ इतना जानती थी कि देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके ही सरकारी आवास में हत्या कर दी गई और हत्यारे दुर्भाग्य से उसी संप्रदाय के थे, जिसमें उसका जन्म हुआ। उसका न तो हत्या से कोई वास्ता था, न हत्यारों से। वह उस सियासत से भी अनजान थी, जिसने देश में ऐसे हालात पैदा कर दिए थे।

सज्जन कुमार तो शायद कभी इस मामले में फंसते ही नहीं, पर एक दिन उस किशोरी के सामने एक पत्रिका पड़ गई। इस पत्रिका के मुखपृष्ठ पर सज्जन कुमार की तस्वीर छपी थी। उसे पहचानते देर नहीं लगी, पर उसकी फरियाद को अंजाम तक पहुंचने में 41 साल लग गए। आज वह 54 साल की हो चुकी है। भारतीय राष्ट्र-राज्य ने उसके साथ न्याय तो किया है, मगर 'जस्टिस डिलेड, जस्टिस डिनाइड' की कहावत उस पर सौ फीसदी लागू होती है। बताने की जरूरत नहीं कि इस हिंसा में पूरे देश में 2,700 से अधिक लोग मारे गए और करोड़ों की संपत्ति स्वाहा हो गई थी। ऐसा लगा था कि अब भारत की सिख भुजा हमेशा के लिए टूट गई है। इस देश के सिखों को सलाम कि वे एक बार फिर सारे भेद भुलाकर उठ खड़े हुए और आज देर से ही सही, वे हत्यारों को कम से कम कानून का आईना तो दिखा रहे हैं।

मैं खुद उस देशव्यापी हिंसा का प्रत्यक्षदर्शी हूं। उन दिनों मैं इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में रहता था। सुबह कहीं बाहर से लौटा था कि मेरे कार्यालय से फोन आया कि इंदिरा गांधी पर गोलियां चला दी गई हैं और पता नहीं, वह जिंदा भी हैं या नहीं! मैं दौड़कर अखबार के दफ्तर पहुंचा। हम शाम का बुलेटिन निकालने की तैयारी कर रहे थे कि दोपहर बीतते-बीतते हिंसा भड़क उठी। सिखों की दुकानें लूटी जाने लगीं, गुरुद्वारों पर हमले हुए और उनके घरों में भीड़ घुस गई। शाम तक तीन लोग मारे जा चुके थे और दर्जनों घायल थे। अफसोस तो इस बात का है कि उस समय इलाहाबाद के जिलाधिकारी खुद सिख थे, लेकिन कानून और व्यवस्था उस मतवाली भीड़ के सामने बेबस साबित हो रही थी। दुर्भाग्य से शहर-दर-शहर ऐसा हो रहा था।

उस दिन एक ऐसे मंजर से दो-चार होना पड़ा, जो अप्रत्याशित और अकल्पनीय था। लाउदर रोड पर लुटेरों और दंगाइयों की भीड़ के बीच मेरी नजर एक नन्ही लड़की पर पड़ी। उसने अपने फ्रॉक में कुछ कॉपियां, पेंसिल और पेन के साथ एक स्याही की दवात जतन से समेट रखी थी। बलवाइयों की उन्मत्त जमात के बीच वह बेखौफ अपने घर की ओर बढ़ रही थी। तय था, इतना सामान वह खुद नहीं रख सकती थी और किसी ने उसकी मदद की है। कौन था वह, जिसने एक मासूम को उस नफरती भीड़ का हिस्सा बना दिया था? वह बच्ची अब पचास बरस के आस-पास होगी। क्या उसके ख्यालों में वह काली दोपहर कभी उभरती है? उभरती भी है, तो कैसे? लूट और हिंसा के उन क्षणों को भुलाना मेरे लिए संभव नहीं। 1990 के दशक में एक बार फिर हमें सांप्रदायिक हिंसा के नए तेवर और कलेवर देखने को मिले थे। इंदिरा गांधी की हत्या हरमंदिर साहिब परिसर में सेना के प्रवेश से उपजे आक्रोश का नतीजा थी। इस बार बाबरी मस्जिद बहाना बनी। देश के तमाम शहरों में इस दौरान दंगे भड़के। इनमें दो हजार से अधिक भारतीयों को जान गंवानी पड़ी और अरबों की संपत्ति का बंटाधार हो गया। 1984 की भांति पुनः ऐसा लगा कि देश के दो प्रमुख समुदाय अब कभी पहले जैसे नहीं रह पाएंगे, लेकिन भारत और भारतीयता इस बार भी जीती। हम फिर से मिल-जुलकर रहने लगे।

तब से अब तक हालात काफी बदले हैं। उन दिनों सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, इसलिए नफरत पर काबू पाने में बहुत मुश्किल नहीं होती थी। धरती के बिखरे हुए बाशिंदों को जोड़ने के नाम पर उपजे सोशल मीडिया ने अब रोज-ब-रोज इंसानों को बांटना शुरू कर दिया है। यह खतरनाक प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है। पिछले दिनों कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय का एक चौंकाने वाला शोध प्रकाशित हुआ है। इसके अनुसार, एलन मस्क ने जब से ट्विटर का अधिग्रहण किया है, तब से उसका न केवल नाम बदला, बल्कि उसकी प्रवृत्ति भी परिवर्तित हो गई है। एक्स पर नफरती पोस्ट और रिपोस्ट लगभग पचास फीसदी तक बढ़ गई हैं। बताने की जरूरत नहीं कि मस्क इस समय दुनिया के सबसे ताकतवर शख्स अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख सहयोगी और सलाहकार हैं। जब शीर्ष पर बैठे लोग जाने-अनजाने घृणा फैलाने के घृणास्पद काम में जुट जाएंगे, तो दुनिया के शांतिकामियों का काम निश्चित तौर पर कुछ और कठिन हो जाएगा। दुर्भाग्य से इस समय ऐसा ही हो रहा है।

नए दौर के अध्यात्म की तलाश में युवामन

अध्येताओं ने किशोर और युवावस्था के दौर की व्याख्या इस रूप में की है कि यह उम्र तीव्र वैचारिक भूख, जीवन के अर्थ व उद्देश्य की खोज और रिश्तों से जुड़ाव की इच्छा की होती है। इस उम्र में वह मानसिक द्वंद्व भी नजर आता है, जिसमें वे यह फैसला नहीं कर पाते हैं कि कोई विचार उनके जीवन के विकास और दिशा को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है। अटकाव और भटकाव के इस दौर में अकसर ये किशोर और युवा वहां पहुंचने की कोशिश करते हैं जहां उन्हें अपने अंदर उठ रहे सवालों के जवाब मिल सकें। यह अकारण नहीं है कि इस बार प्रयागराज महाकुंभ 2025 में जुटे करोड़ों श्रद्धालुओं में एक बड़ी संख्या उन युवाओं की रही- जिन्हें जेनरेशन जेड कहा जाता है। जेनरेशन जेड में वे लोग आते हैं, जिनका जन्म 1990 और 2010 के बीच हुआ है। इनमें से ज्यादातर छात्र हैं या कुछ ऐसे हैं जिन्होंने कुछ साल पहले कोई नौकरी या कारोबार शुरू किया है। इस पीढ़ी के युवाओं की एक पहचान और है। इसी पीढ़ी ने अपने जवान होने की उम्र में फेसबुक, इंस्टाग्राम और वाट्सएप को पैदा होते और इन सोशल मीडिया मंचों को जवान होते हुए देखा है। इस पीढ़ी का महाकुंभ से जुड़ाव इस रूप में भी देखा जा सकता है कि इन युवाओं ने प्रयाग में डुबकी लगाने से पहले गूगल पर महाकुंभ के बारे में सर्च किया। इंस्टाग्राम पर आईआईटियन बाबा और चेहरे-मोहरे की सुंदरता के बल पर वायरल हुई युवती मोनालिसा को देखकर जिज्ञासावश जमघट लगाया। पर क्या उनकी इस जिज्ञासा और संशय की स्थिति को कहीं से भी उस युवा आध्यात्मिकता से जोड़ा जा सकता है- जिसकी इन दिनों महाकुंभ के प्रयोजन से चर्चा छिड़ी हुई है।

यात्राओं और होटल आदि की बुकिंग करने वाली वेबसाइट एलएक्सआईगो के आंकड़ों को सही मानें तो इस बार महाकुंभ में 20-25 साल के युवाओं की तादाद 45 या इससे ज्यादा की उम्र वालों की तुलना में काफी ज्यादा रही। बीते एक साल में धार्मिक स्थलों की यात्रा संबंधी बुकिंग में 150 फीसदी इजाफा हुआ है। शायद इसी बदलाव का असर है कि प्रयागराज के साथ-साथ काशी और अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ में उन युवाओं की भागीदारी ज्यादा दिखी जो शायद पहली बार इस तरह की धार्मिक-आध्यात्मिक यात्रा पर निकले हैं। लेकिन क्या उनकी इस यात्रा को आध्यात्मिकता की खोज कहें। या यह सिर्फ छापामार पर्यटन है जिसमें युवा हर दिन कुछ नया खोजने यहां से वहां जाने का उपक्रम करते दिखते हैं। एक बात तो बेखटके कही जा सकती है कि जिस फोमो (एफओएमओ- फीयर ऑफ मिसिंग आउट) यानी कुछ छूट जाने या खो जाने का भय युवाओं को सताने लगा है, धर्मस्थलों की ओर उनकी दौड़ उस डर को कुछ अंशों में अभिव्यक्त करती है। ये युवा सोशल मीडिया पर अपना स्टेटस अपडेट करना चाहते हैं। दिखाना चाहते हैं कि महाकुंभ के दुर्लभ संयोग में संगम स्नान का पुण्य उन्होंने भी अर्जित किया है। कुछ अलग फील करने की चाह (जो कई बार युवाओं को नशे की राह पर ले जाती है) भी एक वजह है जो उन्हें इस आयोजन तक खींच ले गई। लेकिन उनकी उत्सुकता इतनी सतही भी नहीं कही जानी चाहिए। महाकुंभ पहुंचने वाले युवाओं में एक तबका ऐसा भी है जो भक्ति के रंग में रंगा, उत्साह से लबरेज और भारतीय संस्कृति को करीब से जानने-समझने की ललक लेकर वहां पहुंचा। उसे यह महसूस हुआ कि विविधि संस्कृतियों वाले इस महादेश को और उसकी आध्यात्मिकता की वास्तविकता को समझने के लिए इससे बेहतर कोई और जगह नहीं हो सकती।

साधुओं की संगत में बैठकर स्मार्टफोन लेकर यह पूछते हुए वीडियो बनाते तमाम युवाओं को भी इस बार नोटिस किया गया, जो यह पूछ रहे थे कि आखिर सनातन धर्म क्या है, यह दूसरे धर्मों से कैसे और कितना अलग है? साधुओं का हठयोग क्या है? ये साधु कैसे न्यूनतम संसाधनों पर जीवित रह पाते हैं और कठिनतम स्थितियों का सामना कर पाते हैं? हालांकि युवाओं को इन आध्यात्मिक सवालों का समाधान जल्दी में चाहिए, पर उनकी इस जिज्ञासा को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हो सकता है कि उनका अध्यात्म के प्रति जो आरंभिक रुझान है, वह उन्हें सच्ची आध्यात्मिकता की ओर ले जाए। आईआईटियन बाबा के रूप में मशहूर शख्स को एक मिसाल माना जा सकता है, जो युवा आध्यात्मिकता के नए ट्रेंड की पड़ताल करने और उसे सहेजने की मांग करता है। इन जिज्ञासाओं, व्याख्याओं और सोशल मीडिया पर प्रसारित-प्रचारित इंस्टा-रील्स के प्रसंग से यह सवाल उठा है कि क्या ये सब चीजें हमारे युवाओं के आध्यात्मिक रुझान को सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत कर रही हैं। और क्या यही वह युवा आध्यात्मिकता है, जिसे भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को जरूरत है। निश्चय ही इसमें पहला प्रसंग आईआईटी वाले बाबा का उठता है। दावा किया गया कि आईआईटी- बॉम्बे से डिग्री ले चुका और एक कंपनी में सालाना लाखों का वेतन पाने वाला एक युवा संन्यासी बन गया और बाबा के रूप में महाकुंभ में शामिल होकर उसने आध्यात्मिकता के नए पहलुओं को सामने रखा। वैसे तो कथित सांसारिकता से विमुख हुए आईआईटियन बाबा की अस्पष्ट सी बातों-व्याख्याओं में से अध्यात्म की गहरी समझ हासिल करने का दावा करना जल्दबाजी होगा, लेकिन एक पढ़े-लिखे शख्स के मुंह से अध्यात्म की बातें सुनना युवाओं को खूब भाया। इससे युवाओं की यह जिज्ञासा सामने आ गई है कि आखिर अध्यात्म में ऐसा क्या है कि वह पढ़े-लिखे लोगों को अपनी ओर खींच लेता है।

असल में जेनरेशन जेड कहलाने वाले युवाओं की दुनिया में इंटरनेट और खास तौर पर सोशल मीडिया मंचों ने जो बड़े बदलाव किए हैं, उनमें एक तो उनमें एकाग्रता की कमी (अटेंशन डेफिसिट) की शक्ल में किया है। मोबाइल इंटरनेट की तकनीकी ने युवाओं के दिमागों को उलझाने के लिए इतनी तेज गति से दृश्यों और सूचनाओं की बौछार शुरू की है जिसमें उन्हें हर क्षण खुद को व्यस्त रखने के लिए कुछ नया और रोमांचक चाहिए होता है। सोशल मीडिया पर सक्रिय ये युवा किसी एक चीज से बड़ी जल्दी ऊब जाते हैं। किसी एक मुद्दे पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। उन्हें किसी बहुत बड़ी तलब की तरह थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ अप्रत्याशित और आवेगपूर्ण कंटेंट की जरूरत होती है। इससे युवा दुनिया में एक नए किस्म के मनो-सामाजिक विकास का चरण कायम हुआ है, जिसमें वे अपनी एक मुकम्मल पहचाने बनाने के संकट से जूझ रहे हैं। इसमें कभी उन्हें साथियों और माता-पिता की अपेक्षाओं का दबाव झेलना पड़ता है तो कभी डिजिटल स्क्रीनों पर दिख रहे व तेजी से बदल रहे दृश्यों और सूचनाओं से तालमेल बिठाने की जरूरत महसूस होती है। ऐसी स्थितियों में वे कई बार खुद के बारे में वास्तविक और ईमानदार होने के बजाय इन चीजों का अभिनय मात्र करते हैं। ऐसा दूसरे लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रदर्शित उदाहरणों के दबाव में होता है। अगर युवाओं का यह व्यवहार जारी रहता है, तो यह उन्हें छद्म किस्म की आत्म-अस्वीकृति और आत्म-धोखे की ओर ले जा सकता है। इन दबावों में वे यह सीख नहीं पाते हैं कि खुद के प्रति सच्चा होना क्या होता है और अपनी कमजोरियों को व्यक्त करते व स्वीकारते हुए कैसे आगे बढ़ा जाता है। ऐसे में वे आईआईटी बाबा के नाम से मशहूर हुए शख्स की तरह जटिल व्यक्तित्व बन सकते हैं। ऐसे युवाओं में सतत चिंता और अवसाद के लक्षण विकसित हो जाते हैं। यह दशा उनके स्वाभाविक विकास, कैरियर, रिश्तों और उनकी सामाजिक हैसियत को प्रभावित करती है। इनसे बचाव के लिए युवाओं को एक ऐसे सुरक्षात्मक माहौल की जरूरत होती है, जिसमें उनका परिवार, दोस्त, योग शिक्षक, एक संरक्षक या आध्यात्मिक गुरु उनका सही मार्गदर्शन कर सकता है।

हालांकि इस मामले में विडंबना यह है कि इसके लिए भी बहुत से युवा सोशल मीडिया की शरण में चले जाते हैं। वे उस रील-प्रेरित आध्यात्मिकता के जाल में फंस जाते हैं, जो छद्म है और खोखली है। ऐसे में उन्हें यह बताने की जरूरत है कि वह कौन सी आध्यात्मिकता है जिसकी उन्हें सच में जरूरत है। इस संबंध में कुछ महत्वपूर्ण शोध हुए हैं, जो बताते हैं कि युवा किस किस्म की आध्यात्मिकता में यकीन करते हैं। शोधकर्ता गैलप और बेजिला ने जो रिसर्च की है, वह बताती है कि नई पीढ़ी के युवाओं की आध्यात्मिकता ईश्वर में आस्था से जुड़ी है। इस शोध के मुताबिक अमेरिका में 95 फीसदी किशोर और युवा ईश्वर में विश्वास करते हैं। इसमें यह भी माना गया है कि आध्यात्मिकता और धार्मिक आयोजनों में भागीदारी को अमेरिकी समाज किशोरों के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम मानता है। सबसे दिलचस्प आंकड़े ह्यूद प्रोजेक्ट टीन कनाडाह्व में मिले। इसमें शोधकताओं ने पाया कि उत्तरदाताओं ने खुद को एक धर्म के सदस्य के रूप में माना। अध्ययन में शामिल 60 फीसदी युवाओं ने आध्यात्मिकता को महत्वपूर्ण माना, जबकि 48 प्रतिशत युवाओं ने ऐसे संकेत दिए कि उनकी आध्यात्मिक जरूरतें हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के 236 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 112,232 नए छात्रों पर आधारित अध्ययन में बताया गया कि 77 फीसदी छात्र इस बात से सहमत थे कि वे 'आध्यात्मिक प्राणी' हैं।

ये अध्ययन निश्चय ही आध्यात्मिकता को लेकर युवाओं के रुझान को स्पष्ट करते हैं, लेकिन समस्या यह है कि इनमें से ज्यादातर से यह पता नहीं चलता है कि आखिर वे किस आध्यात्मिकता की बात कर रहे हैं या जिसे वे आध्यात्मिकता कह रहे हैं, क्या वास्तव में वह अवधारणा इसकी परिभाषाओं से मेल खाती है। शोध अध्ययनों के अनुसार किशोरों और युवाओं के लिए आध्यात्मिकता के अर्थ सोशल मीडिया या रील-प्रेरित हैं और अत्यधिक सतही हैं। वे जीवन के लक्ष्यों, समाज और परिवार से संबंधों के बारे में अमूर्त ढंग से सोचते हैं और ऐसे समाधानों के प्रति आकर्षित हो जाते हैं जो अव्यावहारिक हैं। ऐसे युवाओं को कुछ देर सांस रोककर ध्यान में बैठ जाना ही आध्यात्मिकता लगता है। बहुत हुआ तो पालतू पशुओं को खाना खिला देना ही उनके लिए आध्यात्मिकता है। इस आध्यात्मिकता में न तो उन्हें अपने चित्त-मन को शांत करना सिखाया जाता है और न ही यह बताया जाता है कि जीवन का असली मतलब क्या है। जिंदगी के बारे में वे (युवा) अक्सर कुछ सवाल तो उठाते हैं, लेकिन उनके प्रश्न जीवन के अर्थ या जीवन में उद्देश्य के उस बड़े दायरे को लेकर संबोधित नहीं होते हैं जो तीन परस्पर संबंधित मुद्दों से जुड़े होते हैं। ये तीन मुद्दे हैं- एक, जीवन का अर्थ क्या है। अर्थात हमारा या मनुष्य का जीवन क्या दशार्ता है, इसके अस्तित्व का क्या महत्व है। दो, जीवन की सार्थकता किसमें है। यानी क्या जीवन जीने योग्य या उद्देश्यपूर्ण है। और तीन, जीवन में हमारा उद्देश्य क्या है। यह मुद्दा जीवन के लक्ष्य, पूरा किए जाने वाले कार्य से संबंधित है। इतिहास देखें तो युवाओं और किशोरों के व्यवहार में अध्यात्म प्रेरित जीवन के अर्थ का महत्व और स्पष्ट होता है। जैसे, 1930 के दशक में युवाओं ने नाजी जर्मनी में हिटलर का समर्थन किया था क्योंकि तब उनका मानना था कि जातीय रूप से श्रेष्ठ जर्मनी का निर्माण उनका जीवन मिशन था। इसी तरह 1960 के दशक में कम्युनिस्ट चीन में सांस्कृतिक क्रांति के दौरान, रेड गार्ड्स ने सर्वहारा वर्ग के दुश्मनों के खिलाफ जमकर लड़ाई लड़ी। क्योंकि उन्होंने पाया था कि कम्युनिस्ट यूटोपिया का निर्माण उनका पवित्र जीवन लक्ष्य था। इसी तरह, अफ्रीका के कई युवा अपने देशों के लिए बदलावों की चाहत में सैन्य गतिविधियों में भाग लेते हैं। ये सारी गतिविधियां समय, काल और परिवेश के अनुसार आध्यात्मिक आदर्श कही जा सकती हैं। साफ है कि ऐसे उद्देश्यों के बिना अध्यात्म को जानने, समझने या समझाने की कोई प्रेरणा ऊपरी चमक-दमक से प्रेरित है। इस आध्यात्मिकता से कोई भला नहीं हो सकता है।

बहुत से लोगों का मत है कि आध्यात्मिकता को जानने, समझने और हासिल करने की एक उम्र होती है जो बुढ़ापे की ओर अग्रसर व्यक्तियों के लिए जरूरी है। जबकि सच यह है कि आध्यात्मिकता युवाओं के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि किसी अन्य आयु वर्ग के लिए।

कटनी रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ाई गई

प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की भीड़ पर विशेष निगरानी

सुनील यादव । सिटी चीफ
प्रयागराज, महाकुंभ प्रयागराज में लगातार बढ़ रही यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से स्टेशनों में यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से चौकसी बढ़ाई गई है बीती रात हुए दिल्ली रेलवे स्टेशन में हादसे के बाद पूरे भारतवर्ष में अलर्ट किया गया है जिसके मद्देनजर आज कटनी जंक्शन में जहां चारों दिशाओं के लिए ट्रेनों का आवागमन होता है। यात्रियों की सुरक्षा की व्यवस्था का जायजा लेने पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया, सहित कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार शर्मा व पुलिस बल मुख्य रेलवे स्टेशन पहुंचा। जहां उन्होंने आरपीएफ थाना प्रभारी दीक्षित से यात्रियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था के किए गए इंतजामों के बारे में जानकारी ली इसके साथ ही यहां मुख्य रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के लिए कितनी ट्रेन आवागमन हो रही है इसकी भी जानकारी उनके द्वारा ली गई भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा कहा गया है। कटनी जिले के एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि महाकुंभ का मुख्य स्नान पूरे हो जाने के बाद भी श्रद्धालुओं का जोश कम नहीं हुआ है, और

जनता इस कदर कुंभ में जाने के लिए बेताब है। जिसका नजारा कटनी मुख्य रेलवे स्टेशन में देखने को मिला जहां पर कटनी स्टेशन का प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर कुंभ यात्रियों की भीड़ बनी हुई है,आप देख सकते है कि मेला स्पेशल ट्रेन के अंदर कैसे खचाखच भीड़ है सिर्फ लोगों का सर नजर आ रहे है वही ये नजारा प्लेटफॉर्म पर हमेशा ही बना हुआ है कटनी रेलवे स्टेशन पर जो भी ट्रेन प्रयागराज के लिए जा रही है सभी ट्रेनों के डिब्बे भरे हुए है फिर भी लोगो में महाकुंभ का उत्साह है जो साफ दिख रहा है,वही कुछ लोग परेशान भी हो रहे है पर अब कुंभ में जाने की ठान ली है तो बस जा रहे है। कटनी जिले के एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। इनमें 14 महिलाएं और 3 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोग घायल हैं। जिसको देखते हुए कटनी जिले के कटनी जंक्शन पर भी जीआरपीएफ,आरपीएफ समेत सिटी पुलिस के 60 से 70 जवान रेलवे स्टेशन पर तैनात है। और प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं की भीड़ को कंट्रोल कर रही है। प्लेटफॉर्म पर जायदा भीड़ होने पर यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर बनाए बाएं पंडाल और खुले में यात्रियों को बंटवाया जा रहा है और प्लेटफार्म में आने वाली स्पेशल ट्रेनों में बैठा प्रयागराज रवाना किया जा रहा है। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने यह भी बताया कि उनके द्वारा रेलवे के अधिकारी और आरपीएफ और जीआरपीएफ के पुलिस अधिकारियों से चर्चा की गई वही उन्होने यह भी कहा कि प्लेटफॉर्म में भीड़ बढ़ते ही यात्रियों को सुरक्षित स्थान में बैठाया जाए और प्रयागराज की ओर जाने वाली ट्रेनों के बारे में यात्रियों को समय समय पर सूचना दी जाए जिससे भगदड़ जैसी स्थित निर्मित न हो।

चौकी सरई थाना करनपठार के द्वारा 912 डग्गी क्रमांक MP 18 GA 4518 के द्वारा अवैध रेत परिवहन करते पकडे गये

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्गदर्शन में रेत परिवहन कर्ता के विरूद्ध निरी. पी. सी कोल थाना प्रभारी थाना करनपठार के नेतृत्व में चौकी प्रभारी उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे के दौरान कस्बा भ्रमण हमराह स्टाफ प्र.आर. 140 राजेश पाव प्रआर. 74 राम प्रसाद सिह, आर. 362 विनोद, आरक्षक क्र. 346 साहब सौर, चौकी सरई, आर. 287 विनोद कुमार थाना करनपठार दौरॉन कस्बा देहात भ्रमण दिनांक 16/02/2025 को हमराह स्टाफ के साथ देहात ग्राम पयारी भ्रमण के दौरान जरिये मोबाईल पर विश्वस्थ मुखबिर द्वारा सूचना दिया गया कि ग्राम पथखई जिला शहडोल तरफ से एक लाल पीले रंग की 912 डग्गी जिसका नम्बर स्क्क 18 त्र 4518 है । रेत अवैध रूप से चोरी का लोड करके परिवहन करते हुये सरई तरफ आ रहा है । मौके पर उपस्थित गवाह बाल करण ढोलिया पिता बेसाहू ढोलिया कृष्ण पाल ढोलिया पिता राम प्रसाद ढोलिया दोनो निवासी ग्राम सरई को अवगत मुखबीर के सूचना से कराया जाकर मुखबीर की सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु हमराही स्टाफ आर. 346 साबह सौर एवं गवाहान

उपरोक्त के रवाना होकर अहिरगंवा चौराहा सरई पहुंचा तो कुछ छड बाद मुखबीर के बाताये अनुसार हुलिया की डग्गी पथखई घाट तरफ से आते दिखाई दी जिसे मय हमराह स्टाफ एवं गवाहान तथा अहिरगंवा चौराहा पर रके स्टापर को लागकर एक्त डग्गी गो रोक कर ड्रावर सीट पर बैठे व्यक्ति का नाम पता पूछने पर अना नाम अशोक कुमार बंशकार पिता जमुना प्रसाद बंशकार उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम बमुरा तथा बगल में बैठे व्यक्ति से नाम पता पूछने पर अपना नाम हरि लाल कोल पिता पुसउआ कोल उम्र 30 वर्ष निवासी बमुरी का होना बताये तथा पथखई के पास बमुरा के नाले से चोरी का रेत डग्गी में लोड करके तरंग बेचने हेतु लेकर जाना बताया आरोपी चालक को धारा 94 बी. एन. एन. एस. का नोटिस दिया जाकर रेत लोड करने परिवहन करने की दस्तावेज टीपी चाहा जो नही होना बताया तथा पूछतांछ करने पर डग्गी बाबा उर्फ सुरेन्द्र यादव निवासी पथखई का होना एवं अपनी स्वंय के इच्छा से बिना वाहन स्वामी को बताये रेत चोरी कर लोड करना बताया उक्त गवाहो के समक्ष मौके पर उक्त गवाहो के समक्ष मुताबिक जप्ती पत्रक के 11.42 बजे जप्त किया जाकर कब्जे पुलिस लिया गया तथा चालक आरोपी के द्वारा मैके पर वाहन के कागजात एवं ड्रायविंग लाईसेन्स प्रस्तुत नही किया आरोपीगणो के कृत्य अपराध क्रमांक 48/25 धारा 303(2), 317(5), 3(5) बी. एन. एस. 4/21 खनिज अधि. 130/177(3), 3/181 मो. व्ही एक्ट का पाये जाने से पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया । कार्यवाही में उपरोक्त स्टाफ का अहम भूमिका रही ।

अवैध रेत उत्खनन माफिया के विरूद्ध बिजुरी पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान जी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मो. इसरार मन्सूरी एवं एस. डी.ओ.पी. कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना बिजुरी अनूपपुर द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है।

दिनांक 16.02.2025 को थाना प्रभारी निरी विकास सिंह के नेतृत्व में सहायक उपनिरी प्रदीप अग्निहोत्री, आर. 502 विश्वजीत मिश्रा, आर. 304 रवि सिंह के द्वारा ग्राम छतई में महिन्द्रा कंपनी के लाल रंग के ट्रेक्टर क्र. ष्टत्न16ष्टक्क2688 के चालक राजकुमार साहु पिता विष्णु प्रसाद साहु उम्र 31 वर्ष निवासी सेमरिया थाना केल्हारी छ.ग. के द्वारा ग्राम पिपरिया केवई नदी घाट से अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था जो मौके चालक राजकुमार साहु को ट्रेक्टर मय लोड रेत ट्राली जप्त कर थाना बिजुरी जिला अनूपपुर में ट्रेक्टर चालक राजकुमार साहु एवं वाहन स्वामी

विष्ण प्रसाद साहु के विरुद्ध अपराध धारा 303(2), 317 (5), 3(5) बी.एन.एस.4/21 खान खनिज अधिनियम का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर कार्यवाही की जा रही है ।

जिला मुख्यालय के दो परीक्षा केन्द्रो में संपन्न हुई राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा

759 परीक्षार्थियों के विरुद्ध प्रथम पाली में 143 तथा द्वितीय पाली में 153 रहे अनुपस्थित

अनूपपुर, मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की वर्ष- 2025 की प्रारंभिक परीक्षा रविवार 16 फरवरी को जिले के दो परीक्षा केन्द्रो में तथा दो पालियो में प्रात: 10 से दोपहर 12:00 तक एवं दोपहर 2:15 बजे से शाम 4.15 बजे तक आयोजित की गई इस संबंध में परीक्षा प्रभारी एवं अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय ने बताया है कि कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में परीक्षा को संपन्न करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। अनूपपुर जिले में प्रारंभिक परीक्षा के लिए दो परीक्षा केंद्र राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित किए गए थे इनमें शासकीय तुलसी महाविद्यालय तथा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थे परीक्षा केन्द्र में केंद्राध्यक्ष सहित आवश्यक अमले की तैनाती की गई थी।

परीक्षा केन्द्रो में परीक्षार्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ ही पेयजल, साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था की गई थी तथा प्रारंभिक परीक्षा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए आवश्यक प्रबंध के साथ ही कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

परीक्षा प्रभारी एवं अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय ने बताया है प्रथम पाली में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दर्ज 400 परीक्षार्थियों के विरुद्ध 328 परीक्षार्थी उपस्थित थे 72 अनुपस्थित रहे इसी तरह शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में 359 परीक्षार्थियों के विरुद्ध 288 छात्र उपस्थित रहे 71 अनुपस्थित रहे उन्होंने बताया कि द्वितीय पाली में भी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 400 परीक्षार्थियों के विरुद्ध 320 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 80 अनुपस्थित रहे शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में 359 परीक्षार्थियों के विरुद्ध 286 परीक्षार्थी उपस्थित रहे 73 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

मेपल्स एकेडमी देवबंद के छात्र चाहत सिंह ने 38 वें नेशनल गेम्स के तहत 1500 मीटर रेस में प्रथम स्थान प्राप्त कर यूपी ओलंपिक में बनाई जगह

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर), मेपल्स एकेडमी के छात्र चाहत सिंह ने 38 वें नेशनल गेम्स के तहत 1500 मीटर रेस में प्रथम स्थान प्राप्त कर यूपी ओलंपिक में जगह बनाई है। स्कूल पहुंचने पर आज होनहार छात्र चाहत सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। मेपल्स एकेडमी की प्रधानाचार्या डा. चित्रा जोशी ने बताया कि कक्षा 11 के छात्र चाहत सिंह ने नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुए 38 वें नेशनल गेम्स में प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। चाहत ने 1500 मीटर रेस में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए यूपी ओलंपिक में अपनी जगह बनाई है जो स्कूल और क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। स्कूल पहुंचने पर होनहार छात्र चाहत का जोरदार स्वागत किया गया। शिक्षकों ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए यूपी ओलंपिक में चयन होने पर बधाई दी। इस दौरान स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अदालत में नशा तस्कर को सुनाई एक साल की सजा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, अदालत में एक नशा तस्कर को एक साल की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या-तीन की अदालत ने नशा तस्कर को दोषी मानते हुए एक साल की सजा सुनाई है और दस हजार रूपए का अर्थदंड भी लगाया है। मामले के अनुसार, 20 नवंबर 2016 को थाना सरसावा पुलिस ने चेकिंग के दौरान शामली जिले के अहमदगढ़ निवासी मंगल सिंह को गिरफ्तार किया था। आरोपी के पास से डोडा पाउडर बरामद हुआ था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह मामला तभी से अदालत में विचाराधीन था। सभी साक्ष्य और गवाहों के आधार पर अदालत ने फैसला सुनाया है।

क्षेत्र सहित विकासखंड के दूरदराज गांवों में उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन

झाबुआ- मेघनगर
जिला व राज्य शिक्षा केन्द्र सहित जिला साक्षरता समन्वय के मार्गदर्शन में संपन्न हुई मेघनगर विकासखंड मे 247 प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाएं गये थे प्रेरक, सामाजिक कार्यकर्ता ,सरपंच ,सचिव भी कई जगह सहयोग देते दिखे मेंघनगर बीआरसी महेश सोलंकी व विकासखंड साक्षरता समन्वयक राजेन्द्र खतेडिया विगत सप्ताह से परीक्षा मैं अधिकाधिक साक्षरता केंद्र पर अक्षर ज्ञान सीख रहें ग्रामीणों बिठाने हेतु प्रयासरत थे। श्रीं सोलंकी ने बताया भोगोलिक धरातलीय स्थित विकासखंड की झाबुआ ,पेटलावद, थांदला ब्लाक से सीमा तक अन्तर प्रांतीय राजस्थान, गुजरात सीमा तक है ?। नव साक्षर परीक्षार्थी को संपर्क ढूंढने परेशानी के बावजूद भी विकासखंड के नौ संकुल में बंटे संकुल साक्षरता समन्वयक ने स्कूलों प्राथमिक ,मिडिल शिक्षक ,कोटवार सचिव आदि संपर्क कर परीक्षा में सम्मिलित करने का प्रयास किया। निजी संस्थान स्कूलों से जुड़े संचालक सहयोगी भूमिका निभाई। अभिव्यक्ति साहित्य संस्था से संयोजक कवि निसार पठान रमभापुरी। संस्था से जुड़े सुमित जैन। गायत्री विद्यालय रमभापुर के संचालक प्रहलाद नायक आदि भी सक्रिय रहें ? एवम स्वयंसेवक परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र तक लाने मैं प्रयासरत रहें। कलेक्टर नेहा मीना जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र सिंह चौहान व सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग निशा मेहरा। डीपीसी रालू सिंह सिगाड। जिला शिक्षाधिकारी रुपसिंह बामनिया के विशेष संरक्षण व अनुभाग स्तर मेघनगर के अनुविभागीय अधिकारी रितिका पाटीदार, तहसीलदार ममता मिमरोट नायब तहसीलदार मृदुलद्य सचवानी जनजातीय कार्य विभाग के बीईओ एन ,एस ,नायक क्षेत्रीय प्राचार्य मनीष पालीवाल, रमेशचंद्र झणिया ,सुजान सिंह हरवद्यलआदि प्राचार्य सहित शिक्षक कर्मचारी सुबह से जुटे रहें। जिला समन्वयक साक्षर भारत जगदीश सिसोदिया भी क्षेत्र का निरीक्षण करते रहे मांडली ,मदरानी, नौगांव ,रमभद्यपुर सहित गुवाली पतरा देमारा मोर डूंगरा, पंच पिपलिया ,आमलि पठार आदि जगह उमदराज ग्रामीण महिलाओं में परीक्षा के प्रति उत्साह देखा गया दोपहर 2:00 बजे तक करीब ढाई हजार से अधिक नव साक्षर परीक्षा में सम्मिलित हुए लगातार ड्ढह्रष्ट एवं उनकी टीम परीक्षा के सफल आयोजन हेतु सक्रिय दिखी

सांसद गजेंद्र सिंह पटेल के जन्मदिवस पर विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन एवं टीबी मुक्त भारत अभियान और विभिन्न प्रकार की जांचों में सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ

बडवानी- लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल के जन्मदिवस को प्रतिवर्ष सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए सुशीलादेवी उमरावसिंह पटेल सेवा संस्थान के तत्वावधान में एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सिकल सेल एनीमिया, टीबी मुक्त भारत अभियान, तथा अन्य गंभीर बीमारियों को लेकर जागरूकता, रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण, एवं पोषण आहार वितरण जैसी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की गईं।

सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ, 100 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए भेजा गया इंदौर कार्यक्रम के तहत अरबिंदो हॉस्पिटल, इंदौर की विशेषज्ञ टीम द्वारा बाल हृदय रोग, बच्चादानी कैंसर, स्तन कैंसर, हड्डी रोग, मधुमेह, दंत रोग, नाक-कान-गला रोग एवं कैंसर रेडिएशन थेरेपी सहित अन्य बीमारियों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श दिया गया। इसके साथ ही, 100 मरीजों को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु शिविर स्थल से इंदौर भेजा गया।

कार्यक्रम में इस सेवा कार्यक्रम में प्रवीण डोलके , क्षेत्र संगठन मंत्री, वनवासी कल्याण आश्रम, मध्यप्रदेश,सावित्री ठाकुर , केन्द्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार, इंदरसिंह परमार मंत्री म.प्र. शासन, नागरसिंह चौहान मंत्री म.प्र. शासन,डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी सांसद, राज्यसभा,श्रीमती अनुबाई तंवर अध्यक्ष जिला पंचायत, खरगोन,श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहान सांसद रतलाम-झाबुआ,श्याम बर्डे , विधायक पानसेमल ,नंदा ब्राहम्णे, जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, खरगोनअजय यादव , जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, बड़वानी,जयदीप पटेल भाजपा प्रदेश मंत्री सहित कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रमुख, नगर पालिका एवं पंचायत प्रतिनिधि, डॉक्टर, समाजसेवी एवं कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित रहे।

क्षेत्र संगठन मंत्री प्रवीण ढोलके ने की सराहना कार्यक्रम में वनवासी कल्याण आश्रम, मध्यप्रदेश के क्षेत्र संगठन मंत्री प्रवीण ढोलके ने कहा, सिकल सेल जैसी घातक बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित हमारे जनजातीय क्षेत्र के लिए यह सेवा कार्य अत्यंत सराहनीय है। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने अपने जन्मदिन को जनसेवा से जोड़कर एक प्रेरणादायक पहल की है।

कैबिनेट मंत्री इंदरसिंह परमार ने दी शुभकामनाएँ मंत्री इंदरसिंह परमार ने सांसद गजेंद्र सिंह पटेल की जनसेवा की सराहना करते हुए कहा, अपने जीवन को जनता की सेवा में समर्पित करना आसान नहीं होता, लेकिन सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर एक बड़ा संकल्प लिया है। यह कार्य चुनौतीपूर्ण होते हुए भी अत्यंत आवश्यक और प्रेरणादायक है। मैं उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए साधुवाद देता हूँ।

जनता के लिए समर्पित सेवा कार्य इस आयोजन के माध्यम से सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने अपनी सेवा ही संकल्प की विचारधारा को और मजबूत किया है। स्वास्थ्य एवं जनकल्याण की दिशा में यह शिविर क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ है।

तारण तरण बड़ा चैत्यालय में चढ़ाया गया स्वर्ण कलश

निकली विशाल शौभायात्रा - आज होगा वेदी सूतन एवं तिलक महोत्सव

दमोह - फुटेरा में चल रहे श्री तारण तरण दिगंबर जैन बड़ा चैत्यालय के तीन दिवसीय महोत्सव के अंतर्गत द्वितीय दिवस कलशारोहण महोत्सव मनाकर सकल तारण समाज ने विविध अनुष्ठानों में हिस्सा लेकर जिनशासन की मंगल प्रभावना की। महोत्सव के मीडिया प्रमुख दीपक राज जैन ने बताया कि प्रात: काल की मंगल बेला पर वेदी सूतन करने वाले समस्त जोड़ों सहित अन्य गुरु भक्तों ने शांति जाप, ध्यान, सामयिक कर महोत्सव का शुभारंभ किया पश्चात बड़ी मंदिर विधि के माध्यम से वीतरागी देव शास्त्र गुरु भगवन्तों की आराधना कर जिनवाणी माता सहित श्री गुरुमहराज का बहुमान किया, इस अवसर स्वर्ण मंगल कलश, स्वर्ण ध्वजा सहित अन्य कलशों की दान प्रभावना की गई जिसमें गुरुभक्त भूपेंद्र जैन की ओजस्वी शैली एवं समर्पण भाव ने पूरे देश पधारे साधर्मियों का मन जीत लिया और सकल समाज ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर मुक्त कंठ से दान देकर अपना जन्म सफल किया।

दान प्रभावना के बाद मुख्य पंडाल से जिनवाणी पालकी यात्रा, मंगल कलश एवं धर्म ध्वजा शौभायात्रा निकली जिसमें बैंड बाजों की मधुर धुनों पर अपार जन समुदायों मंगलगान कर रहा था, अश्वों पर धर्म ध्वजा लेकर साधर्मी, बग्गियों पर कलश एवं स्वर्ण ध्वजा लेकर सौभाग्य शाली विराजमान हुए वहीं तीन रजत पालकी में मां जिनवाणी को विराजमान कर हजा भीरों जैन बंधुओं ने नगर का भ्रमण किया जिसका सकल जैन समाज सहित नगर वासियों ने आत्मीय स्वागत कर मंगल आरती कर जिनशासन की मंगल प्रभावना की।

शौभायात्रा नगर का भ्रमण कर बड़ा चैत्यालय पहुंची जहां सौभाग्य शाली परिवारों द्वारा कलशारोहण कर स्वर्ण ध्वजा फहराई गई जिसमें मुख्य मंदिर पर कलश निर्मलकुमार जैन अजित जैन सेठ परिवार फुटेरा कलां द्वारा चढ़ाया गया एवं स्वर्ण ध्वजा अजयकुमार विजयकुमार प्रदीप प्रधान परिवार फुटेरा कला द्वारा फहराई गई साथ ही मुख्य कलश शिखर भागचंद जैन राजेश जैन पीपल वाला परिवार फुटेरा कलां द्वारा चढ़ाया गया जिनके शुभ भावों की सकल समाज ने अनुमोदना की।

सम्पूर्ण अनुष्ठान में बाल ब्रह्मचारी बसंत महाराज सहित बड़ी संख्या में त्यागी व्रती साधक एवं ब्रह्मचारी बहनों सहित विद्वतगण एवं पूरे देश से पधारे श्रेष्ठिगण सम्मिलित हुए और सभी ने मिलकर जिनशासन की मंगल प्रभावना की।

रात्रि के समय सुंदर भक्ति के माध्यम से देव - शास्त्र - गुरु भगवंतों सहित मां जिनवाणी का बहुमान किया गया एवं सभी ने ब्रह्मचारी साधकों के श्रीमुख से मां जिनवाणी का रसपान कर दिल्ली से पधारे कलाकारों द्वारा नाटक राजा हरीशचंद्र के सुंदर मंचन का लाभ लिया।

आज होगा वेदी सूतन महोत्सव - महोत्सव अध्यक्ष निर्मल जैन एवं संयोजक अमित जैन, निखिल जैन ने बताया कि आज सोमवार 17 फरवरी को तृतीय दिवस का शुभारंभ प्रात: 6 बजे मंत्रजप, शांति पाठ, तारण त्रिवेणी के पाठ से होगा पश्चात 8 बजे से मंदिर विधि एवं वेदी सूतन का महत्व, 9 बजे से वेदी सूतन समारोह एवं आनंद उत्सव, 11.30 से पात्र भावना गोमती प्रसाद जैन सेठ परिवार द्वारा, 1 बजे से वृहद मंदिर विधि तिलक महोत्सव समारोह एवं समापन समारोह, शाम 4.30 से पात्र भावना सेठ लखन लाल दीपचंद जैन एवं समस्त टटा वाला सेठ परिवार द्वारा, संध्या 7 बजे से भक्ति, 8 से प्रवचन एवं 9 बजे पाठशाला के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात सम्मान समारोह एवं आभार प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मंगलवार 18 फरवरी को महोत्सव की खुशी में नगर भोज का आयोजन कर सकल समाज सहित नगर वासियों को आमंत्रित कर उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया जावेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान का वादा डॉ यादव कोटेश्वर तीर्थ के पास से मांस मदिरा दुकानों को बंद कराकर करेंगे क्या

ग्राम निसरपुर को भी शराब बंदी सूची में शामिल किया जाए

संत समाज , कोटितीर्थ (कोटेश्वर) नर्मदा से एक किलोमीटर से भी कम दूरी में सैकड़ों मंदिरों के बीच निसररपुर की शराब दुकान से साधु संत महात्मा परेशान

बड़वानी अलीराजपुर धार और झाबुआ चारों जिलों के लाखो हिंदू समाज ओर श्रद्धालुओं की आस्था इस कोटेश्वर तीर्थ स्थल से अतिप्राचीन काल से जुड़ी हुई है यहा अंतिम संस्कार ,अर्पण तर्पण और स्नान के लिए लाखों समाजजन कोटेश्वर धाम पर आते है। यहां पर दशा का कार्यक्रम हो या मुंडन का या अंतिम संस्कार हो कर्मकाण्ड के लिए इस क्षेत्र में यह एक मात्र स्थान है।

सरदार सरोवर बांध से पुराने कोटेश्वर डूब क्षेत्र में आने से कोटेश्वर ओर निसरपुर को पास में ही व्यवस्थापित किया गया है। नए निसरपुर ग्राम में शासन की ओर से नया घाट (नए पुल के पास में) स्वीकृत हो चुका है और पुराने कोटेश्वर से कई मंदिर निसरपुर में शिफ्ट हो चुके हैं उनका भी जीर्णोद्धार किया जा चुका है ।लाखों लोगों की आस्था का केंद्र, रामायण और महाभारत कालीन यह दिव्य स्थान, जहां पर रावण और मेघनाथ ने आकर तपस्या की है, यह क्षेत्र संतो की तप स्थली है वालिपुर के श्री श्री 1008 गजानंद जी महाराज, कोटेश्वर के श्री श्री1008 कमल दास जी महाराज, धरम राय के श्री श्री 1008 बाल ब्रह्मचारी ईश्वर दत्त जी महाराज, खेड़ा के श्री श्री 1008 हरिहर फलाहारी बाबा जिन्होंने अपने शरीर छोड़ने के पहले ही भक्तों को दो माह पहले बता दिया था कि रामनवमी के दिन इस शरीर का में त्याग कर दूंगा अत: इनकी समाधि खेड़ा में स शरीर बना दी गई ऐसे महान तपस्वी संतों का यह प्राचीनतम स्थल मां नर्मदा के किनारे बसा हुआ था ।कोटेश्वर तीर्थ की महिमा वेदों नर्मदा पुराणों और संतों के द्वारा हमेशा से बताई जा रही है कोटेश्वर तीर्थ डूब क्षेत्र में आने के कारण उसकी बसावट निसरपुर ग्राम में शासन के द्वारा की गई है। कोटेश्वर तीर्थ के अनेक मंदिर की मूर्तियों को वहां से ला करके नसीरपुर ग्राम में स्थापित किया गया है और उन मंदिरों का जीर्णोद्धार किया गया है कोटेश्वर तीर्थ में कमल दास जी महाराज की समाधि स्थल, गौशाला, आश्रम को भी नई निसरपुर में पुन: स्थापित किया गया है। आश्रम के पीछे ही भाव तट स्थल बनाने के लिए शासन के द्वारा स्वीकृति प्राप्त हो गई है। भक्तों के लिए यहां पर बहुत जल्दी ही स्नान और कर्मकांड के लिए निसरपुर में नर्मदा के किनारे जीर्णोद्धार शासन के द्वारा किया जा रहा है ।यह संतों की भूमि है, यह कहीं दिव्या संतों की तपस्यास्थली है। यहां अनेक संतों ने धर्म को बचाने के लिए, धर्म की स्थापना के लिए, हमेशा अपना पूरा जीवन अर्पण किया है और आज भी अनेक संत यहां पर बालीपुर के योगेश जी महाराज, सुधाकर जी महाराज और कोटेश्वर के कमल दास जी महाराज के कृपा पात्र अयोध्या दास जी महाराज निरंतर गौ सेवा, संत सेवा, और दीन दुखियों का दुख करने के लिए संत वचन और अपनी कृपा दृष्टि से पूरे क्षेत्र का उद्धार कर रहे हैं निवासरत है। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जब नर्मदा परिक्रमा पर आए थे तब कोटेश्वर वाले गुरुदेव अयोध्या दास जी महाराज को वचन दिया था और वादा भी किया था और सभी भक्तों के सामने कहा था की निसरपुर पर नर्मदा के तट से मास मदिरा की दुकान नर्मदा तट से 5 किलोमीटर दूर तक नहीं रहेगी ,अभी वर्तमान में नर्मदा से मात्र 1 किलोमीटर दूर नर्मदा का घाट निसरपुर में ही शासन के द्वारा स्वीकृत कर दिया गया है और सारे मंदिर भी यहां बना दिए गए हैं,वही पुराने कोटेश्वर से सारे आश्रम भी यहां पर स्थापित किया जा रहे हैं और कुछ हो भी गए हैं सारे कार्य प्रगति पर है। अत: यह शराब दुकान इस श्रेत्र से हमेशा के लिए हटाना चाहिए,नसीरपुर नर्मदा का तट भी शराब और मास के विक्रय से मुक्त होना चाहिए। अत: हमारा यह प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव से ओर शासन प्रशासन के संज्ञान में पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान का साधु संतों से किया वादा याद दिलाते हुए नर्मदा से एक किलोमीटर से कम दूरी पर नई नसीरपुर ग्राम में अनेक मंदिरों, धर्मस्थल, अनेक संतों की तप स्थली ,आश्रम, कोटेश्वर तीर्थ स्थल नर्मदा का किनारा ,होने के कारण और शासन के द्वारा यहां पर लाखों रुपए खर्च कर नर्मदा का घाट नए पुल के पास में बनाने के कारण और नर्मदा परिक्रमा वासियों का यहां पर निरंतर आने रहने और ठहरने के कारण यह पवित्र और धार्मिक तीर्थ स्थल की गिनती में आता है और सरकार के रिकॉर्ड में भी दर्ज है। इसको भी प्रदेश की 17 शराब दुकाने जो धार्मिक स्थल होने पर प्रचलित थी को वर्ष 2025- 26 से प्रदेश के मुखिया ने शराब से मुक्त कर नई शराब नीति में भी शामिल किया और गजट प्रकाशित किया है उसमें नर्मदा नदी के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोटेश्वर के नजदीक होने से ग्राम निसरपुर की भी शराब दुकान के साथ ही मांस दुकानों को प्रतिबंधित किया जाकर लाखो श्रद्धालुओं की जन भावना ओर नर्मदा नदी किनारे कोटेश्वर तीर्थ स्थल पर विराजित साधु संतों की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए ओर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के किए गए वादे को पूरा करने के लिए उचित कदम उठाते हुए ग्राम निसरपुर की शराब ओर मांस की दुकानो को हटाने का आदेश प्रसारित कर सनातन धर्म के हितों की रक्षा करे।

मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति वर्ष 2025-26

प्रदेश के घोषित पवित्र क्षेत्रों में मदिरा दुकानें 1 अप्रैल 2025 से होंगी बंद

दुकान परिसर में मदिरापान की नहीं रहेगी अनुमति

भोपाल मध्यप्रदेश की नई आबकारी नीति के अनुसार प्रदेश में घोषित पवित्र क्षेत्रों में मदिरा दुकानों को 1 अप्रैल 2025 से बंद कर दिया जाएगा। इनमें उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मंडला, मुलताई, मंदसौर, अमरकंटक, सलकनपुर, बरमान कला, लिंगा, बरमान खुर्द, कुंडलपुर, बांदकपुर शामिल है। नई आबकारी नीति के अनुसार 1 अप्रैल 2025 से इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के वाइन आउटलेट के लाइसेंस जारी नहीं किए जाएंगे एवं उनके संचालन की अनुमति भी नहीं होगी। नये जिलों में मदिरा दुकानों का संचालन एवं प्रशासन वहां के जिला कलेक्टरों के अधीन किया जाएगा। जनजातीय बंधुओं के हित में वाइन शॉप पर वाइन एवं हेरिटेज मदिरा का विक्रय किया जा सकेगा। एयरपोर्ट काउंटर पर भी हेरिटेज मदिरा विक्रय की अनुमति रहेगी। किसी भी मदिरा दुकान के परिसर में मदिरापान की अनुमति नहीं होगी। प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति नई आबकारी नीति के अनुसार प्रत्येक जिले में जिला निष्पादन समिति गठित की जाएगी। जिला निष्पादन समिति मदिरा दुकानों का विस्थापन कर जिले में अन्य स्थान पर विस्थापित दुकान खोलने, दुकान का पोटेंशियल क्षेत्र निर्धारित करने, दुकानों का आरक्षित मूल्य निर्धारण करने, मदिरा दुकानों के एकल समूह का गठन या पुनर्गठन करने, शासन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दुकानों का निष्पादन करने संबंधी सभी कार्य करेगी। अपरिहार्य परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मदिरा दुकान बंद करने के लिए आबकारी आयुक्त प्रस्ताव दे सकेंगे। अंतिम निर्णय राज्य शासन स्तर पर होगा। वर्ष 2024-25 के वार्षिक मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि उपरांत वर्ष 2025-26 के लिए आरक्षित मूल्य का निर्धारण किया गया है। वर्ष 2025-26 में सर्वप्रथम वर्तमान वर्ष 2024-25 के अनुज्ञप्तिधारियों को नवीनीकरण का अवसर प्रदान किया गया है। तदोपरांत लॉटरी आवेदन पत्र आमंत्रित किये जायेंगे। नवीनीकरण एवं लॉटरी आवेदन पत्र से जिले के आरक्षित मूल्य के 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के राजस्व की प्राप्ति होने पर जिले को नवीनीकृत किया जावेगा। जरूरत पड़ने पर ई-टेण्डर और ई-टेण्डर कम ऑक्शन की पद्धति से निष्पादन किया जावेगा। सभी मदिरा दुकानों पर प्वाइंट आफ सेल मशीनें सभी मदिरा दुकानों पर प्वाइंट ऑफ सेल (क्ह्स) मशीनें स्थापित की जायेंगी, मशीन के माध्यम से समस्त प्रकार की मदिरा बोतल पर चस्पा एक्साइज एडेहसिव लेबल (ईएएल) को अनिवार्यत: स्कैन कर ही बिलिंग एवं विक्रय किया जा सकेगा। जो व्यक्ति ब्लैक लिस्टेड है वह मदिरा दुकान /समूह के लिए आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होंगे। विदेशी मदिरा भाण्डागार को स्मार्ट वेयरहाउस में बदला जायेगा। विदेशी मदिरा भाण्डागार पर बायोमेट्रिक ई-लॉक का प्रावधान किया गया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर एयरपोर्ट के समान अन्य व्यवसायिक उड़ानें संचालित करने वाले एयरपोर्ट पर भी विदेशी मदिरा काउंटर के लिए अनुज्ञप्ति दी जा सकेगी। आगमन एवं प्रस्थान द्वार पर एक-एक काउण्टर खोलने की अनुमति दी जा सकेगी। वर्ष 2025-26 में रेस्तरां बार की एक नवीन श्रेणी लो एल्कोहालिक बीवरेज बार प्रारंभ की जाएगी। इस लायसेंस के अंतर्गत रेस्तरां में सिर्फ बीयर, वाईन एवं रेडी-टू-ड्रिंक श्रेणी की विदेशी मदिरा जिसमें अल्कोहल की अधिकतम सीमा 10 प्रतिशत ड्ब्/ड्ब् तक ही हो, के सेवन की अनुमति होगी। किसी भी प्रकार के स्पिरिट का सेवन प्रतिबंधित रहेगा। वर्ष 2025-26 से व्यवसायिक किस्म के आयोजनों हेतु प्रासांगिक अनुज्ञप्ति (एफ.एल.-5) की लायसेंस फीस की पृथक श्रेणी रहेगी। व्यवसायिक किस्म के कार्यक्रमों/आयोजनों जिनमें प्रवेश निर्धारित शुल्क के भुगतान के आधार पर दिया जाता है, उस दौरान मदिरा के उपयोग की अनुमति कार्यक्रम में भाग लेने व्यक्तियों की संख्या के अनुसार लायसेंस फीस रहेगी। हेरीटेज मदिरा संबंधी नीति एवं व्यवस्था वर्ष 2024-25 के अनुसार यथावत रहेगी। हेरीटेज मदिरा बनाने वाली इकाइयों द्वारा बनाई हेरीटेज मदिरा को राज्य शासन के वैल्यू एडेड टैक्स (ड्ब्ज्) से मुक्त रखा जाएगा। राज्य शासन द्वारा घोषित अंगूर प्र-संस्करण नीति में प्रदेश में फलोद्यान विस्तार एवं फल प्र-संस्करण को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रदेश में उत्पादित अंगूर एवं जामुन के अतिरिक्त अन्य फलों और प्रदेश में उत्पादित एवं संग्रहित शहद से बनी वाईन का निर्माण किया जा सकेगा। प्रदेश में उत्पादित फलों एवं शहद से प्रदेश में वाईन निर्माण करने वाली इकाइयों को उनके परिसर में वाईन के फुटकर विक्रय के लिए एक रिटेल आउटलेट स्वीकृत किया जा सकेगा। पर्यटकों के लिए वाईनरी परिसर में वाईन टेवर्न (वाईन टेस्टिंग सुविधा) की अनुमति होगी। वर्ष 2025-26 में विशेष मदिरा के निर्माण, भण्डारण, निर्यात, आयात एवं? विक्रय की अनुमति विदेशी मदिरा बॉटलिंग इकाइयों को भी दी जा सकेगी।

डॉ रामशंकर चंचल की,काली, नेशनल अवॉर्ड फिल्म अब हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में अमेज़न पर उपलब्ध

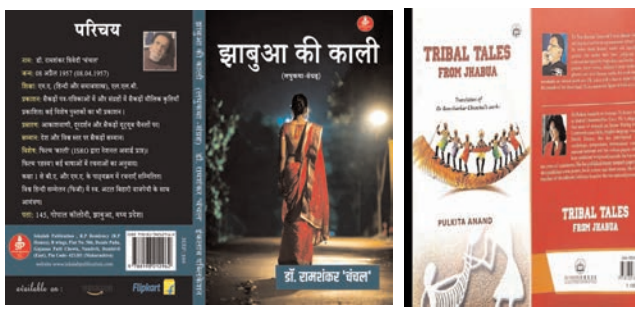

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के आदिवासी पिछड़े अंचल के महान साहित्य साधक डॉ रामशंकर चंचल की अद्भुत कृति आदिवासी जन जीवन कृति जो अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया डॉ पुलकिता आनंद द्वारा बेहद चर्चित हो विश्व पटल पर दस्तक दे छाई हुई हैं और इन्ही की अद्भुत कृति झाबुआ की काली नेशनल अवॉर्ड फिल्म काली आज विश्व पटल पर हिन्दी में अमेजन पर उपलब्ध हो रही हैं सचमुच बहुत गर्व महसूस होता है कि पिछड़े अंचल झाबुआ जिले में जन्मे डॉ रामशंकर चंचल ने आज विश्व पटल पर झाबुआ जिले के आदिवासी अंचल के जन जीवन को अपनी रचनाओं से साहित्य साधना तपस्या से सम्पूर्ण विश्व पटल पर दस्तक दे झाबुआ जिले के साथ सारे देश को विश्व स्तर पर साहित्य गजत में चर्चा का विषय बना रखा है यह उनकी अथक साधना तपस्या निष्ठा समर्पण और आत्मा का अद्भुत जुनून है कि आज साहित्य गजत में छाया हुआ है झाबुआ जिले का आदिवासी पिछड़े अंचल का सजीव जीवंत जन जीवन अपनी अद्भुत छवि के साथ अद्भुत कृतियों के माध्यम से विश्व पटल पर अनेक कथाओं के माध्यम से जो इतिहास में पहली बार झाबुआ जिले का आदिवासी पिछड़े अंचल का जन जीवन विश्व स्तर पर सुना ओर पड़ा जा रहा है बेहद सुखद अहसास करता हुआ यह अद्भुत गर्व का विषय है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है धन्य हैं झाबुआ मध्य प्रदेश की पावन भूमि जहां जन्म लिया डॉ रामशंकर चंचल जो आज सम्पूर्ण विश्व पटल पर दस्तक देते हुए सक्रिय रूप से प्रतिदिन हजारों लोगों द्वारा सुना और पड़ा जा रहा एक ऐसा चर्चित नाम है जो किसी परिचय का मोहताज नहीं है और डॉ रामशंकर चंचल इसे सदा ही अपनी देव भूमि झाबुआ को और ईश्वर को श्रेय देते हैं कि उनका जन्म इस पावन धरा में हुआ है जहां गरीब आदिवासी पिछड़े अंचल के लोगों के जन जीवन को लेखनी का माध्यम बना उनकी पीड़ा दर्द को लिख कर सुख सुकून मिले उन्हें उनकी भावना को हालातों में सुधार हो ओर वे भी देश के साथ कदम मिलाते हुए जीते हुए विकास में साथ दे और सुख सुकून महसूस करे इसी सोच चिंतन के साथ सतत् लेखन करते हुए मुझे गर्व है कि ईश्वर ने मुझे इस नेक कार्य के लिए कर्म के लिए जन्म दिया है प्रणाम करता हूं उस ईश्वर को प्रणाम करता हूं आदिवासी पिछड़े अंचल को सत् सत् प्रणाम

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक डॉ विक्रांत भूरिया की स्वागत रैली 18 फरवरी को झाबुआ शहर पोस्टर बेनर से सजाया कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह...

झाबुआ। विधायक झाबुआ डॉ विक्रांत भूरिया अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनित होने के पश्चात प्रथम बार अपने गृह नगर में आने पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भव्य स्वागत एवं रैली का आयोजन किया जावेगा। जिला कांग्रेस,ब्लाक कांग्रेस, महिला कांग्रेस,युवा कांग्रेस,एनएसयुआई तथा सेवादल सहित सभी मोर्चा संगठन एवं कांग्रेस के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पंच, सरपंच उक्त रैली में सम्मिलित हो कर स्वागत करेगें।।

अवसर पर एक वाहन रैली का होगा आयोजन... उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश रांका ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय मल्लिकार्जुन खडगेजी द्वारा कांग्रेस नेता राहूल गांधी, प्रियकां गांधीजी की सहमति से झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया को अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनित किया गया है। दिनांक 18 फरवरी 2024 मंगलवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनित होने के पश्चात प्रथम बार गृह आगमन झाबुआ में हो रहा है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से एक स्वागत किया जावेगा इस अवसर पर एक वाहन रैली का आयोजन किया जा रहा है। उक्त वाहन रैली प्रात: 10.30 बजे देवझरी मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर झाबुआ राजगढ नाका- पुलिस लाईन चैराहा- राजवाडा होकर बस स्टेण्ड समीप गांधी प्रतिमा पर रैली का समापन होगा ।उक्त रैली में पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, विधायक वीरसिंह भूरिया, पूर्व विधायक वालसिंह मेडाजिला पंचायत अध्यक्ष सोनल जसवंत भाभर सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेगे। इस अवसर पर सम्पूर्ण जिले में उत्साह है तथा पूरे शहर में पोस्टर बैनर से सजाया जा रहा है तथा कांग्रेस पार्टी द्वारा भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है ।जिला कांग्रेस पदाधिकारी मानसिंह मेडा,आशिष भूरिया, निर्मल मेहता, हेमचन्द्र डामोर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अकमालसिंह मालू,शंकरसिंह भूरिया,देवेन्द्रप्रसाद अग्निहोत्री बंटू भाई,महिला कांग्रेस की श्वेता मोहनिया, वीराकुंवर सदस्य जनपद पेचायत रामा, सुनिता अलावा,आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष खूनसिंह गुण्डिया, सेवादल के दिलीप भूरिया,रूपसिंह डामोर,युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश डामोर, हेमेन्द्र बबलु कटारा, लोकेन्द्र बिलवाल, वसीम शेख, एनएसयुआई के नरवेश अमलियार,शहर अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह राठौर, दिनेश गारी,ब्लाक अध्यक्षगण काना गुण्डिया झाबुआ, कैलाश डामोर रानापुर, गोवर्धन कुन्दपुर,यामिन शेख,गेन्दला डामोर,ईश्वर पाटीदार,राकेश डामोर, केमता भाई,जितेन्द्र शाह, विजय शाह चन्द्रवीरसिंह राठौर,राजा कुरैशी जनपद पंचायत सदस्य कैलाश बारिया, मानू भाई,पेमाभाई,राहूल वडखिया,शंकरसिंह हटिला, साबिर फिटवेल,रकसिंह,राजेश भूरिया दोतड,देवलसिंह कजावानी, प्रकाश रूपाखेडा रमेश मेडा चोरमाण्डली, रमेश रणीया,रोहित हटिला ने भारतीय आदिवासी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया का जिला कांग्रेस,ब्लाक कांग्रेस, महिला कांग्रेस,युवा कांग्रेस,एनएसयुआई तथा सेवादल सहित सभी मोर्चा संगठन एवं कांग्रेस के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पंच, सरपंच उक्त रैली में सम्मिलित होकर स्वागत की अपिल की है।

नालछा के धर्मेश राजू रैकवार को कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित किया गया

धार नालछा नालछा – धार जिला मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में नालछा थाने पर पदस्थ धर्मेश राजू रैकवार को कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें कोरोना काल में मेहनत और लगन से काम करने के लिए दिया गया है।

कोरोना महामारी रोकथाम में उल्लेखनीय सेवा धर्मेश राजू रैकवार नालछा थाने पर प्रधान आरक्षक पदस्थ हैं और उन्होंने कोरोना महामारी रोकथाम के लिए निस्वार्थ सेवा भाव से अपना कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अपनी सेवाएं देते हुए कई लोगों की जान बचाई और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

धार जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मान धार जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार जी ने धर्मेश राजू रैकवार को कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र रायकवार ने कोरोना महामारी के दौरान अपनी सेवाएं देते हुए अपना कर्तव्य निभाया है और उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया जाता है।

कर्मवीर योद्धा पदक का महत्व कर्मवीर योद्धा पदक मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा उन अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया जाता है जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान उल्लेखनीय सेवा दी है। यह पदक उनकी सेवा और समर्पण को पहचानने के लिए दिया जाता है।

देश आजाद हो गया है लेकिन हम आज भी गुलामी की जिन्दगी जी रहै है

धार सरदारपुर सरदारपुर । प्रदेश सरकार ग्रामीण अंचलों में निवास करने वाले छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों के लिए शासन की मंशा है कि उन्हें पर्याप्त सुविधाएं मिले एवं गांव से शहर जोडने के लिए उन्हें आवागमन के साधन मिले। वहीं विद्यालय में पढने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय तक अपने घरों से पैदल आने जाने में कोई परेशानी नहीं हो, लेकिन जनपद पंचायत सरदारपुर की ग्राम पंचायत मोलाना के गांव काटानेश गुवाडी (लगभग 2 से 3 किमी) तक का ग्रामीण वर्षों से सडक की मांग कर रहे हैं। लेकिन इस गांव के साथ हमेशा सौतेला व्यवहार किया जा रहा हैं । इसके कारण इस गांव की परेशानीयो को नदर अंदाज़ किया जा रहा है । सभी जगह परेशानी देख ग्रामीणों ने पत्रकारों के समक्ष अपनी समस्या बताई की प्रतिवर्ष बारिश के दिनों में बच्चों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। इससे बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में चार पहिया वाहन तो ठीक, लेकिन दो पहिया वाहन भी निकालने में काफी परेशानी होती है। इसके कारण यदि एंबुलेंस इमरजेंसी के लिए बुलवाना हो तो ग्रामीणों को मोलाना पंचायत तक लेकर आना पड़ता है। पक्की रोड नहीं होने पर एंबुलेंस वाला भी आने को माना कर देता है । महिलाओं को डिलेवरी के लिए दो पहिया वाहन पर लेकर जाना पड़ता है । इस मार्ग पर बारिश के दिनों में पैदल चलना भी काफी कठिन भरा मार्ग साबित होता है। सडक मार्ग के लिए ग्रामीणों का काफी आक्रोश नजर आया। गावं में प्राथमिक स्कुल के स्टाफ, आगनवाडी के कर्मचारी, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी का भी कहना है की पक्की सडक का निर्माण हो जिससे आने जाने में परेशानी का सामना ना करना पड़े ।

चुनाव के समय दिया था आश्वासन 2023 के विधानसभा चुनाव के समय काटानेश गुवाडी के ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार करने का अल्टीमेटम दिया गया था। स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अमला ग्राम काटानेश गुवाडी जाकर चुनाव में हिस्सा लेने एवं चुनाव 1 माह बाद सडक बनाने का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव में हिस्सा लिया था। अब ग्रामीण मांग करते आ रहे हैं कि चुनाव को दो वर्ष से अधिक समय हो गया, लेकिन सडक नहीं बन पाई ।

जिले के 6 केंद्रों पर प्रारंभ हुई मप्र लोक सेवा अयोग की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025

परीक्षा के सफल संचालन के लिए गठित दल द्वारा निरंतर सभी केंद्रों पर निरीक्षण किया जा रहा है।

नर्मदापुरम मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 के पहले सत्र की परीक्षा जिले के 6 केंद्रों पर सफलतापूर्वक प्रारंभ हो गई है। प्रथम सत्र की परीक्षा में कुल 1748 परीक्षार्थियों में से 1443 छात्र-छात्राएं परीक्षा में उपस्थित रहे। इस प्रकार, प्रथम पाली की परीक्षा में कुल 305 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और सुविधा के कड़े इंतजाम किए गए हैं ताकि छात्रों को बिना किसी परेशानी के परीक्षा में भाग लेने का अवसर मिल सके।

नवभारत साक्षरता परीक्षा का अवलोकन

शाजापुर शाजापुर। राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार 16 फरवरी रविवार को प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक नवभारत साक्षरता परीक्षा का आयोजन विकास खण्ड शासकीय शालाओ में किया गया। जहां असाक्षर साथियों द्वारा परीक्षा में बहुत ही उत्साह के साथ सहभागिता की गई। इस अवसर पर जनपद शिक्षा केन्द्र शाजापुर से बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता एवं बीएसी श्री सुनील विश्वकर्मा द्वारा संयुक्त रूप से शा प्रा वि सापखेड़ा, एकीकृत शा मा वि सापखेड़ा, शा प्रा वि आला उमरोद, शा मा वि आला उमरोद, एकीकृत शा मा वि पिपल्यागोपाल, शा प्रा वि पिपल्यागोपाल, शा प्रा वि चकजियाजीपुर, शा प्रा वि लक्ष्मीनगर, एकीकृत शा उ मा वि ज्योतिनगर, शा प्रा वि पुलिस लाइन शाजापुर का अवलोकन करते हुए आनलाइन एवं आफलाइन परीक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी संबंधित शालाओ के प्रभारी से लेकर सम्मिट की गई। अधिकांश शालाओ में असाक्षरो की अच्छी उपस्थिति देखी गई, जहां पर उपस्थिति कम थी, वहां संबंधित शालाओ के प्रभारी को संपर्क कर सभी की उपस्थिति परीक्षा में सुनिश्चित करने हेतु बोला गया। सभी असाक्षर अपनी अपनी सुविधा अनुसार परीक्षा में 10 बजे से 5 बजे के मध्य उपस्थित होकर परीक्षा में सम्मिलित हुए। उक्त जानकारी बीएसी श्री प्रमोद गुप्ता द्वारा दी गई।

समाज मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा - मंत्री श्रीमती गौर

सीहोर

सच्चा सेवक वही जो देश और समाज के कल्याण के लिए कार्य करे - मंत्री श्रीमती गौर

पिछड़ा वर्ग वर्ग मंत्री श्रीमती गौर ने किया धर्मशाला का लोकार्पण

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभारी श्रीमती कृष्णा गौर एवं आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर ने आष्टा तहसील के ग्राम सावतखेड़ी(लक्ष्मीपुर) में यादव अहीर समाज धर्मशाला का लोकर्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जिस समुदाय और समाज में रहकर हमें मान सम्मान और प्रतिष्ठा मिलती है, उसके कल्याण के लिए हमारे भी कई दायित्व होते हैं। हमें उन सभी दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो हर कोई जीता है, पर सच्चा सेवक वही है, जो समाज और देश की सेवा के लिए जिए। उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन परम्पराओ और संस्कृति को जन जन तक पहुचने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने कहा कि अगर हमारा समाज मजबूत होगा तो हमार देश भी मजबूत होगा। आज हमारी संस्कृति महिलाओं के कारण ही अगली पीढ़ी तक जा रही है, क्योंकि एक महिला ही एक मां के रूप में अपने बच्चों को अपनी परंपराओं और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करती है और वही बच्चे आगे चलकर समाज के कल्याण में अपना अभूतपूर्व योगदान देते हैं। कार्यक्रम उन्होंने ग्राम सावतखेड़ी के वीर शहीद सैनिक श्री संदीप यादव के पिता को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि हमें हमारे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण की तरह संस्कार देना चाहिए। जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में अनेकों चुनौतियों का सामना करते हुए अधर्म का नाश कर धर्म को आगे बढ़ाया, उसी प्रकार हम आने वाली पीढियों को भी उनके बारे में बताएं। ताकि आने वाली पीढ़ियां उनसे शिक्षा लेकर समाज के कल्याण में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती गौर ने 10 लाख रूपये एवं विधायक श्री इंजीनियर ने 11 लाख रूपये धर्मशाला के लिए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री सीताराम यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रचना सुरेंद्र मेवाड़ा, उपाध्यक्ष श्री जीवन सिंह मंडलोई, जनपद अध्यक्ष श्रीमती दीक्षा सोनू गुणवान, श्री धारासिंह पटेल, श्री रायसिंह, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी श्री सुशील संचेती सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बंजारा समाज ने मनाया संत श्री सेवालाल जी महाराज का जन्म दिवस

जिला ब्यूरो सुनील पागनिस धार धार के बंजारा समाज ने संत श्री सेवालाल जी महाराज के 286 वे जन्मदिवस के अवसर पर बंजारा समाज ने शोभायात्रा के रूप में एक विशाल जलसे का आयोजन किया बंजारा समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह मोड ने संत श्री सेवालाल जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

संत श्री सेवालाल जी महाराज बंजारा समाज के आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ अंधविश्वास के कड़े विरोधी थे उन्होंने बंजारा समाज के हित में कई कार्य किये उन्होंने बंजारा जीवन के लिए सेवा बोलियो के रूप में 22 सिद्धांत भी प्रतिपादित किए हैं। जिस पर चलकर बंजारा समाज के युवक युवतियों।

संपूर्ण समाज एक आदर्श जीवन व्यतीत कर सकता हैसंत श्री सेवालाल जी महाराज को पूरे भारतवर्ष में बंजारा समाज का आध्यात्मिक गुरु माना जाता है। प्राय भारत वर्ष में जहां-जहां बंजारा समाज विद्यमान है। वहां-वहां संत श्री सेवालाल जी महाराज के मंदिरों की प्रतिष्ठा भी की गई है। संत श्री सेवालाल जी महाराज का ताउम्र ब्रह्मचारी रहकर समाज के व्यक्तित्व और विकास के लिए बहुत कुछ दे गए। संत श्री सेवाराम जी महाराज का जन्म भी भीमसिंह नायक के घर में हुआ आज धार के बंजारा समाज ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा तथा नृत्य गान करते हुए एक बहुत ही आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया। जो लाल बाग परिसर से प्रारंभ होकर। ब्रह्मा कुंडी में सेवालाल जी महाराज परिसर में जाकर समाप्त हुई

दापोरा मे जुआ खेलते चार आरोपी गिरफ्तार

बुरहानपुर – शाहपुर थाना पुलिस ने शनिवार रात को दापोरा बस स्टैंड के पास एक खेत में जुआ खेल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है एक पत्रकार की सूचना पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों से 14,550 रुपए नगद, 52 ताश पत्ते और कुल 1.64 लाख रुपए की बाइक जब्त की है थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि एक खेत के पास टीन शेड के नीचे जुआ खेल रहे लोगों में से कुछ पुलिस को देखकर भाग गए और कुछ आरोपी पकड़ मे आये पकड़े गए आरोपियों में चापोरा निवासी 31 वर्षीय फकीरा पिता सुखलाल, फोपनार निवासी 40 वर्षीय संतोष पिता शंकर, मोहम्मदपुरा निवासी रतीलाल पातोड़े, दापोरा निवासी विजय 53 वर्षीय शामिल है पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत मामला दर्ज कर लिया है

पक्षियों को बचाने के लिए बोहरा समाज ने शुरू किया अभियान

अलीराजपुर– 53 वे धर्मगुरु आलीकदर मुफद्दल सैफुद्दीन मौला (क्वस) के पर्यावरण के प्रति जन-जागरुकता फैलाने के अभियान को जन-जन तक पहुंचाने व गौरैया (चिड़िया) व अन्य पक्षियों के भोजन व पानी की आसानी से व्यवस्था हो इसके लिए बोहरा समाज की संस्था बुरहानी फाउंडेशन के दिशा निर्देशों के अनुसार बोहरा समाज आलीराजपुर की संस्था तोलोबा उल कुल्लियातुल मुमेनून आलीराजपुर ने सैयदना साहब के संदेश को जन –जन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है ।

अलीराजपुर बोहरा समाज के सदर आमिल साहेब शेख क़ोसर भाई ने बताया कि हर मौसम में गौरैया व पक्षियों को आसानी से दाना –पानी उपलब्ध हो इसके लिए बोहरा समाज की संस्था द्वारा आलीराजपुर में घर –घर जाकर पक्षियों के संरक्षक के लिए समझाइश दी जाएगी व बर्ड फीडर का वितरण भी किया जाएगा ।

कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई

रुद्रांश दर्पण अशोकनगर कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्देश दिए कि जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे पेयजल संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक समय पर पूरे किये जाएं । जिले के सभी दूर-दराज गांवों के हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाए । कलेक्टर श्री द्विवेदी ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत पेयजल के कार्यों को टीम के रूप में समन्वय के साथ पूर्ण किए जाएं। पेयजल संबंधी पूर्ण कार्यों को हैंडओव्हर कर नलजल योजनाओं को नीतिगत चालू करवाई जाएं । गर्मी के मौसम में लोगों को पेयजल की कोई समस्या न हो यह सुनिश्चित किया जाए ।

हिंदू राष्ट्र खत्म करने में अमेरिकी फंडिंग...नेपाल के सांसद का दावा

इंटरनेशनल डेस्क: रविवार को नेपाल की प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसद धवल शमशेर राणा ने नेपाल को संवैधानिक हिंदू राष्ट्र का दर्जा समाप्त कर धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित करने और धर्मांतरण के लिए अमेरिकी फंडिंग की जांच की मांग की। सांसद राणा ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के लिए अब तक 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किए गए हैं और इस फंडिंग को लेकर उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की जाए।

अमेरिकी फंडिंग का आरोप: सांसद राणा ने कहा कि नेपाल के संवैधानिक हिंदू राष्ट्र को खत्म करने और धर्मांतरण के लिए अमेरिकी सरकार की ओर से फंडिंग दी गई है, और यह फंडिंग नेपाल के कुछ नेताओं को मिली। उनका आरोप था कि इस फंडिंग का उपयोग नेपाल में धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया को बढ़ावा देने और हिंदू राष्ट्र की पहचान को कमजोर करने के लिए किया गया। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि इस मामले की गहन जांच की जाए और इस फंडिंग से जुड़े नेताओं की सच्चाई सामने लाई जाए।

सांसद का बयान और धर्मनिरपेक्षता पर सवाल

सांसद राणा ने कहा कि नेपाल में हुए जनांदोलन के दौरान कभी भी हिंदू राष्ट्र को खत्म करके धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने की मांग नहीं उठाई गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि जब नेपाल में राजतंत्र की समाप्ति हुई, तो कुछ प्रमुख दलों और नेताओं ने मिलकर अंतरिम संविधान की घोषणा की, जिसमें नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया। राणा का कहना था कि नेपाल की पहचान अब तक दुनिया के एकमात्र हिंदू राष्ट्र के रूप में रही है और इस बदलाव ने देश की पहचान को प्रभावित किया है। उन्होंने संसद से यह मांग की कि धर्मनिरपेक्षता को खारिज करके नेपाल को फिर से एक हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए।

संविधान और धार्मिक पहचान

नेपाल का संवैधानिक हिंदू राष्ट्र का दर्जा 2008 तक कायम रहा, जब तक कि 2008 में नेपाल ने राजतंत्र को समाप्त कर लोकतांत्रिक गणराज्य की घोषणा नहीं की थी। इसके बाद 2015 में नेपाल के संविधान में संशोधन करते हुए देश को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया। इस परिवर्तन ने धार्मिक पहचान को लेकर विभिन्न विवाद उत्पन्न किए, खासकर नेपाल के हिंदू समुदाय के बीच, जो देश को एक हिंदू राष्ट्र के रूप में देखता था। सांसद राणा ने सरकार से मांग की है कि उच्च न्यायालय की निगरानी में इस मामले की न्यायिक जांच की जाए और दोषियों को सजा दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाल के संविधान में किए गए इस बदलाव को लेकर जनता की सहमति का अभाव है और यह निर्णय बिना जनमत संग्रह के लिया गया था, जो एक गंभीर मुद्दा है।

राणा ने संसद से यह भी कहा कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाना चाहिए, क्योंकि यह देश की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। उनका कहना था कि नेपाल का हिंदू राष्ट्र के रूप में एक मजबूत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आधार है, जिसे खत्म करना देश की पहचान को धूमिल करने जैसा है।

सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री 26 फरवरी तक बंद

नेशनल डेस्क. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात को हुई भगदड़ के बाद, रेलवे प्रशासन ने स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकटों की काउंटर से बिक्री को 26 फरवरी तक रोक दिया है। यह फैसला स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने और यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए लिया गया है। अब केवल वे यात्री ही प्लेटफॉर्म तक पहुंच सकते हैं, जिनके पास जनरल या रिजर्व टिकट होगा।

भीड़ नियंत्रित करने के लिए किए गए हैं विशेष इंतजाम

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बढ़ती भीड़ और भगदड़ जैसी घटनाओं को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। आरपीएफ और टिकट निरीक्षकों (टीटी) को स्टेशन के सभी प्रवेश बिंदुओं पर तैनात किया गया है, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और भीड़ को सुव्यवस्थित किया जा सके। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस ने स्टेशन पर क्राउड मैनेजमेंट के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने स्टेशन पर इंस्पेक्टर रैंक के छह अधिकारियों को तैनात किया है, जो पहले भी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर काम कर चुके हैं और इस तरह की परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हैं। इन अधिकारियों का मुख्य कार्य भीड़ को नियंत्रित करना और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

रेलवे ने प्लेटफॉर्म नंबर 16 पर विशेष ट्रेन की घोषणा

शनिवार रात को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर प्रयागराज जाने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा थी। इसी दौरान रेलवे ने प्लेटफॉर्म नंबर 16 से एक विशेष ट्रेन के आने की घोषणा की। अचानक हुई इस घोषणा ने यात्रियों को भ्रमित कर दिया, जो पहले से प्लेटफॉर्म 14 पर मौजूद थे। इसी वजह से यात्रियों ने बिना समझे प्लेटफॉर्म 16 की ओर दौड़ना शुरू कर दिया, जिससे भीड़ में अफरा-तफरी मच गई। भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरने लगे, जिससे भगदड़ मच गई और दुखद परिणाम सामने आए। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 9 पुरुष, 8 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। इसके अलावा कई लोग घायल भी हुए थे।

प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद

इस घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का फैसला लिया है। प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद करने के अलावा, रेलवे ने यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी प्लेटफार्मों पर अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड और कर्मचारी तैनात किए हैं। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए भीड़ की निगरानी की जा रही है कि ऐसे हादसे भविष्य में न हों। रेलवे प्रशासन ने यह भी बताया है कि अगले कुछ दिनों तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद रहने से यात्रियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए पूरी कोशिश की जाएगी। यात्रा करने वाले यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा के दौरान पूरी सुरक्षा सावधानियों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अप्रत्याशित स्थिति से बचने के लिए रेलवे कर्मचारियों से सहायता प्राप्त करें।

प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर रोक का उद्देश्य

रेलवे प्रशासन का कहना है कि प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर रोक का मुख्य उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करना है। पहले, स्टेशन पर बड़ी संख्या में लोग बिना यात्रा के ही प्लेटफॉर्म पर पहुंच जाते थे, जिससे भीड़ का प्रबंधन करना मुश्किल हो जाता था। अब इस फैसले से यात्रियों को ज्यादा सुरक्षा मिलेगी और प्लेटफॉर्म पर स्थिति सामान्य रहेगी।

मृतकों के परिवारों के प्रति जताई संवेदना

इस हादसे के बाद, मृतकों की पहचान की जा रही है और उनके परिवारों को सहायता मुहैया कराई जा रही है। रेलवे और पुलिस प्रशासन ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है।

दुनिया के पहले समलैंगिक इमाम की हत्या...

हमलावरों ने कार रोककर मारी गोली

इंटरनेशनल डेस्क: दक्षिण अफ्रीका में दुनिया के पहले खुले तौर पर समलैंगिक इमाम कहे जाने वाले मुहसिन हेंड्रिक्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह हमला शनिवार को गकेबरहा शहर के पास हुआ, जब कुछ हमलावरों ने उनकी कार रोककर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। पुलिस के मुताबिक, हेंड्रिक्स एक अन्य व्यक्ति के साथ कार में यात्रा कर रहे थे, तभी दो नकाबपोश हमलावरों ने अपनी गाड़ी उनकी कार के सामने लगा दी। बाहर निकलने का कोई मौका दिए बिना, हमलावरों ने बिना रुके गोलियां चलाईं और फिर फरार हो गए। इस हमले में मुहसिन हेंड्रिक्स की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके साथ मौजूद ड्राइवर सुरक्षित बच गया।

इस हत्या को लेकर इंटरनेशनल लेस्बियन, गे, बायसेक्सुअल, ट्रांस और इंटरसेक्स एसोसिएशन ने गहरी नाराजगी जताई है। संगठन की एग्जीक्यूटिव जूलिया इहर्ट ने बयान जारी कर कहा कि मुहसिन हेंड्रिक्स की हत्या से पूरा *ILGA* समुदाय सदमे में है। हमें डर है कि यह एक हेट क्राइम हो सकता है, इसलिए अधिकारियों को इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच करनी चाहिए। मुहसिन हेंड्रिक्स ने 1996 में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि वह समलैंगिक हैं । इसके बाद उन्होंने *LGBTQ* समुदाय के अधिकारों की लड़ाई लड़ी और कई संगठनों से जुड़े। वह केपटाउन के वेनबर्ग इलाके में स्थित अल-घुरबाह मस्जिद के संस्थापक थे। इस मस्जिद को समलैंगिक मुसलमानों और हाशिए पर मौजूद महिलाओं के लिए सुरक्षित धार्मिक स्थल माना जाता था। हेंड्रिक्स ने 2022 में आई डॉक्यूमेंट्री द रेडिकल में खुलासा किया था कि उन्हें लगातार धमकियां मिलती रही हैं। पुलिस अभी हत्या के मकसद की जांच कर रही है। कई लोग इसे *LGBTQ* विरोधी हमले के रूप में देख रहे हैं, जबकि कुछ इसे व्यक्तिगत रंजिश का नतीजा मान रहे हैं।

जेलेंस्की की ट्रंप को दो टूक-अमेरिका को यूक्रेन के दुर्लभ खनिज नहीं लूटने देंगे

इंटरनेशनल डेस्क: यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपने मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे यूक्रेन के दुर्लभ खनिजों तक अमेरिका की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर न करें, क्योंकि यह प्रस्ताव अमेरिकी हितों पर अत्यधिक केंद्रित है। वार्ता से परिचित एक वर्तमान और एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ जेलेंस्की की वार्ता के केंद्र में यही प्रस्ताव था। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने समझौते को अस्वीकार करने के जेलेंस्की के निर्णय को फिलहाल के लिए ''अदूरदर्शी बताया।

जेलेंस्की ने शनिवार को म्यूनिख में कहा, ''मैंने मंत्रियों को संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्देश दिया क्योंकि मेरे विचार में यह हमारी, हमारे हितों की रक्षा करने के लिए नहीं है। यूक्रेन के वर्तमान और पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रस्ताव में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि अमेरिका बाइडन प्रशासन द्वारा यूक्रेन को दी गई सहायता के बदले ''मुआवजे के रूप में और भविष्य की सहायता के भुगतान के रूप में कीव के दुर्लभ खनिजों का किस तरह उपयोग कर सकता है। यूक्रेन में महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं जिनका उपयोग एयरोस्पेस, रक्षा और परमाणु उद्योगों में किया जाता है। ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया है कि चीन पर निर्भरता कम करने के लिए यूक्रेन के खनिजों में उसकी रुचि है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने स्पष्ट रूप से इस प्रस्ताव के बारे में कुछ नहीं बताया, लेकिन एक बयान में कहा कि ''ट्रंप प्रशासन द्वारा यूक्रेन को दिए गए उत्कृष्ट अवसर के बारे में राष्ट्रपति जेलेंस्की का रुख अदूरदर्शी है।

पाकिस्तान में 2 सड़क दुर्घटनाओं में 16 की मौत, 45 घायल

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान के सिंध प्रांत में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 16 लोगों की मौत हो गयी और 45 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पहली दुर्घटना शनिवार को सिंध के शहीद बेनजीराबाद जिले के काजी अहमद कस्बे के निकट हुई। इस हादसे में एक वैन और ट्रेलर के बीच टक्कर होने से पांच लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। काजी अहमद के थाना प्रभारी (एसएचओ) वसीम मिर्जा ने कहा कि वैन जामशोरो जिले के सेहवान शहर में धर्म स्थल लाल शाहबाज कलंदर की ओर जा रही थी। डॉन अखबार ने पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि तेज रफ्तार वैन ने पहले एक गधा गाड़ी को टक्कर मारी उसके बाद विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रेलर से उसकी भीषण टक्कर हो गई। एक अन्य सड़क दुर्घटना में प्रांत के खैरपुर जिले के रानीपुर के पास 11 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब बुरेवाला से आ रही एक बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक रिक्शा से टकरा गई। हादसे में जान गंवाने वाले सभी यात्री पंजाब के बुरेवाला के थे।

बिहार के जवान की लद्दाख में ड्यूटी के दौरान मौत

22 फरवरी को आने वाले थे घर, पत्नी को फोन पर कही ये बात

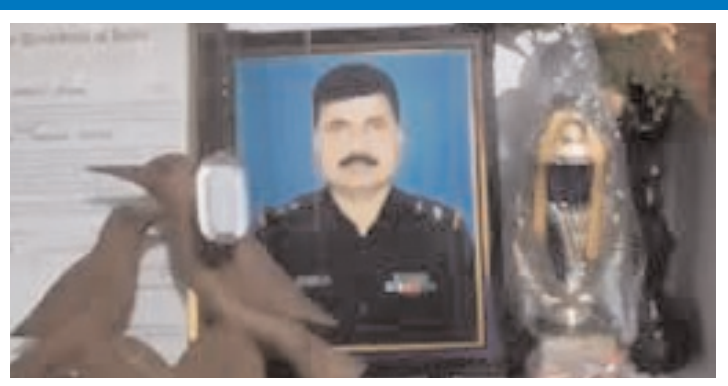

नेशनल डेस्क. बिहार के जवान की लद्दाख में ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। दरअसल, जब वे ड्यूटी पर जा रहे थे तो इसी दौरान क्वार्टर के बाहर पानी टंकी फट गई। संतोष को सिर में चोट लग गई। वहीं अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पानी की टंकी फटने से आई चोट

बिहार के गया जिले के निवासी संतोष कुमार लद्दाख के चुमाथांग में संतोष कुमार इंजीनियर्स रेजिमेंट में क्लर्क थे। बताया जा रहा है कि दोपहर 12 बजे आर्मी के किसी अधिकारी का घर पर फोन आया और उन्होंने जानकारी दी कि पानी की टंकी फटने से संतोष कुमार को चोट आई है। अस्पताल ले जाया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार परेशान हो गया। वहीं दोपहर बाद एक बार फिर फोन आया और कहा गया कि संतोष कुमार इस दुनिया में नहीं रहे।

22 फरवरी को छुट्टी पर घर आने वाले थे संतोष

भाई दीपक वर्मा ने बताया कि 22 फरवरी को संतोष छुट्टी पर घर आने वाले थे। पूरा परिवार कुंभ स्नान के लिए जाने की तैयारी कर रहा था। वहीं सेना के अधिकारियों ने बताया कि सभी औपचारिकताओं के बाद पार्थिव शरीर सोमवार को लद्दाख से जाया जाएगा। संतोष ने आखिरी बात अपनी पत्नी से रविवार सुबह 7:30 बजे की थी और कहा कि ऑफिस के लिए लेट हो रहा हूं, जा रहा। बता दें कि संतोष कुमार का परिवार गया के डेल्हा थाना क्षेत्र के खरखुरा स्थित परमानंद कॉलोनी में परिवार रहता है। परिवार में उनकी पत्नी, 2 बेटे शुभम और शिवम हैं। उनके बड़े भाई दीपक वर्मा प्राइमरी स्कूल के शिक्षक हैं, जबकि पत्नी कनक कुमारी सरकारी स्कूल में फिजिकल टीचर हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569